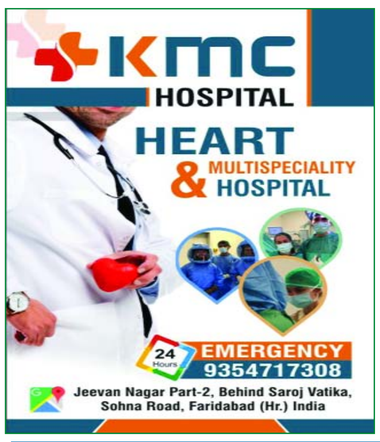

A LIVE NEWS
अलाईव न्यूज
खबर वही, जो ज़िंदा रहे!
Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

विचार

हर नई शुरुआत थोड़ा डराती है, पर याद रखो सफलता मुश्किलों के पास ही नजर आती है।
- आचार्य चाणक्य

Vol. 11 Issue No. 22 Faridabad (NCR) Friday, 16-31 December 2022 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

विभिन्न देशों की संसदों में महिलाओं की आधी हिस्सेदारी के लिए तय करना होगा लंबा सफर

कुछ पुरातनपंथियों को छोड़ भी दिया जाए तो इसमें अब कोई दो राय नहीं रही है कि महिलाओं को अब घर और बाहर सभी जगह बराबर का दर्जा दिया जाने लगा है। हालांकि सामाजिक ताने-बाने में कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। दुनिया के देशों में आधी दुनिया को सबसे पहले मताधिकार देने वाले देश न्यूजीलैंड से यह सुखद संदेश भी आ गया है कि वहां की संसद में महिलाओं की संख्या अब पुरुषों से अधिक हो गई है। न्यूजीलैंड की संसद में 59 पुरुषों के मुकाबले अब 60 महिला सांसद हो गई हैं। उदारवादी लेबर पार्टी की नेता सोराया पेके मैशन ने पिछले दिनों सांसद के रूप में शपथ ली है। न्यूजीलैंड ने 1893 में ही महिलाओं को मताधिकार देकर दुनिया के देशों के सामने एक मिसाल कायम कर दी थी। हालांकि यह भी विचारणीय हो सकता है कि करीब 130 साल से भी अधिक समय के बाद संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी आधी हुई है पर इसे सकारात्मक सोच के साथ देखा जाना चाहिए। देखा जाए तो दुनिया के करीब आधा दर्जन देश ऐसे हैं जहां की संसदों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अच्छा खासा है। खासतौर से रवांडा ऐसा देश है जहां संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी 61 फीसदी से भी अधिक है। इसी श्रेणी में 53 फीसदी के साथ क्यूबा, 50 फीसदी के साथ निकारागुआ, मैक्सिको और यूएई आते हैं तो 47 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी के साथ आईसलैंड आ जाता है। हमारे देश में करीब 14 फीसदी ही महिलाओं की भागीदारी है। मजे की बात यह है कि हिमाचल प्रदेश में महिला वोटर अधिक होने के बावजूद केवल और केवल एक महिला चुनाव जीत कर आई है। खैर यह विषयांतर होगा। एक मोटे अनुमान के अनुसार अमेरिका का यह आंकड़ा करीब 27 प्रतिशत के आसपास बैठता

है। इस प्रकार दुनिया की संसदों में महिलाओं की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से कुछ ही अधिक देखने को मिल रही है। इन आंकड़ों में कुछ बदलाव भले ही देखने को मिलें पर कमोबेश हालात यही हैं। दुनिया के देशों की विधायिका में महिलाओं की हिस्सेदारी को देखते हुए हालांकि तेजी से बदलाव आ रहा है पर लोकतंत्र की हामी भरने वाले देशों की तुलना में दुनिया के छोटे और विकासशील देश अधिक आगे हैं। रंवाडा हो या क्यूबा या इसी श्रेणी के अन्य देश, यह साफ हो जाता है कि लाख संकटों के बावजूद सत्ता में भागीदारी में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। हालांकि न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न का हालिया बयान है- %%कई देशों में महिलाओं की स्थिति को लेकर अनिश्चितता है। हम जैसे जैसे आगे बढ़ रहे हैं ऐसा लगता है कि हम महिलाओं को प्रगति के मामले में तेजी से पीछे की ओर खिसकता हुआ देख रहे हैं।%% हालांकि यह उनका अपनी सोच है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि सत्ता में भागीदारी को अलग कर दिया जाए तो आज महिलाएं लगभग सभी क्षेत्रों में सफलता के परचम लहरा रही हैं। यह अच्छी बात भी है। दुनिया की बड़ी बड़ी कंपनियों में महिलाओं की अच्छी पकड़ देखी जा रही है तो जल, थल और नभ सभी में महिलाओं ने बिना किसी लैंगिक भेदभाव के अपनी जगह बनाई है। प्रशासनिक स्तरों पर भी महिलाओं की दक्षता का लोहा माना जाने लगा है। सवाल यह है कि दुनिया के विकसित देश और खासतौर से लोकतंत्र की हामी भरने वाले देश भी आधी दुनिया की भागीदारी में क्यों पिछड़ रहे हैं? आखिर महिला सशक्तिकरण का नारा तो समूची दुनिया दे रही है। कुछ पुरातनपंथियों को छोड़ भी दिया जाए तो इसमें अब कोई दो राय नहीं रही है कि महिलाओं को अब घर और बाहर सभी जगह बराबर का दर्जा दिया जाने लगा है। हालांकि सामाजिक ताने-बाने में कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। संक्रांति दौर होने से कुछ विद्रूपताएं भी सामने आती हैं पर यह तो मानना ही पड़ेगा कि दुनिया के कुछ अतिवादी सोच के देशों को छोड़कर बाकि सब देशों में महिलाओं की भाागीदारी लगभग सभी क्षेत्रों में बढ़ी है और लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अब विधायिकाओं में भी महिलाओं की हिस्सेदारी को बराबर करने का समय आ गया है। जहां तक हमारे देश का सवाल है, एक मोटे अनुमान के अनुसार हमारे यहां करीब 14 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि स्थानीय निकायों में महिलाओं के आरक्षण से स्थानीय सरकार में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ने के साथ ही काफी बदलाव भी देखने को मिला है। पार्षद पति, सरपंच पति, प्रधान पति, प्रमुख पति आदि की दखलंदाजी अब तुलात्मक रूप से देखें तो काफी कम हुई है और महिलाएं सफलता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने लगी हैं। ऐसे में यह कहना कि महिलाएं शासन का संचालन नहीं कर सकतीं, पूरी तरह से नकार दिया गया है। देखा जाए तो पुराने मिथक टूटते दिख रहे हैं। खैर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे अतिविकसित देशों और रूस, चीन जैसे वामपंथी देशों को अभी महिलाओं की विधायिका में भागीदारी बढ़ाने के लिए बहुत कुछ करना होगा। हमारे यहां चाहे निचले स्तर पर ही हुआ हो पर उसका प्रभाव दिखने लगा है और आने वाले समय में और अधिक मुखरता देखने को मिलेगी। न्यजीलैंड ने दुनिया के देशों के सामने एक मिसाल पेश कर दी है तो रवांडा, क्यूबा आदि देशों की मिसाल सामने है। ऐसे में विधायिका में महिला हिस्सेदारी बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। हालांकि दुनिया के देशों की संसदों में महिलाओं की आधी हिस्सेदारी अभी दूर की कौड़ी ही दिखाई दे रही है।

साभार

कोरोना जाते जाते लोगों के हृदय के साथ बड़ा खिलवाड़ कर गया है

सभी को सचेत रहना होगा

30 साल या इससे अधिक उम्र के कोरोना के संक्रमण में आ चुके लोगों को गंभीर हो जाना चाहिए और समय समय पर जांच करवाते रहना चाहिए। यह कोई भयाक्रांत करने की बात नहीं है अपितु कोरोना राक्षस ही ऐसा रहा है कि उसके दुष्प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। कोरोना भले ही अब अंतिम सांसें गिनने लगा हो पर कोरोना प्रभावित इसके दुष्प्रभाव से अभी तक मुक्त नहीं हो पाये हैं। कोरोना प्रभावितों द्वारा दोनों टीकों यहां तक कि बूस्टर डोज लगवाने वाले भी इन दुष्प्रभावों से बच नहीं पा रहे हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार दुनिया के 20 करोड़ लोग कोरोना के साइड इफेक्ट से प्रभावित हो रहे हैं। अचानक दिल का दौरा, भूलने की आदत, सरदर्द, अधिक बाथरूम जाना, अचानक डायबिटिक होना, मनोबल में कमी और इसी तरह के साइड इफेक्ट से दो चार हो रहे हैं। कोरोना दुष्प्रभाव के चलते मौत का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। हालिया अध्ययनों से यह तो साफ हो गया है कि कोरोना की छाप कहीं जल्दी जाने वाली नहीं है।

साभार

पूर्व मंत्री चौधरी महेंद्र प्रताप बडख़ल विधानसभा में करेंगे यात्रा का जोरदार स्वागत

Faridabad/Alive News

हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी महेंद्र प्रताप सिंह बडख़ल विधानसभा में पहुंचने पर भारत जोड़ो यात्रा का जोरदार स्वागत करेंगे। इसको लेकर सभी तैयारी कर ली गई है और तीन नंबर पुलिया पर पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी महेंद्र प्रताप सिंह अपने हजारों समर्थकों के साथ यात्रा का जोरदार स्वागत करेंगे। पूर्व मंत्री चौ. महेन्द्र प्रताप सिंह यहां से तिरंगा अपने हाथ में थामकर यात्रा की अगुवाई करेंगे। इसके बाद यात्रा आगे बढ़ते हुए ईएसआई चौक होते हुए दशहरा ग्राउण्ड, बी के चौक, नीलम चौक से होते हुए मथुरा रोड, ओल्ड फरीदाबाद के बाद गोपाल गार्डन पहुंचेगी। जहां, पर विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। चौ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा देश में परिवर्तन लाने का काम करेगी। देश विरोधी ताकतों ने आज देश का जो माहौल खराब किया हुआ है, देश को जाति, धर्म, क्षेत्रवाद के आधार पर जो बांटने का काम किया है, उसको जोडने का काम करेगी। जैसा कि यात्रा का नाम है भारत जोड़ो यात्रा, उसी प्रकार यात्रा देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम करेगी। राहुल गांधी की अगुवाई में देश आपसी प्रेम एवं भाईचारे की नई इमारत खड़ी करेगा, जिसमें सभी जातियों एवं धर्म के लोग प्यार-प्रेम से रह सकें। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद शहर के लोग राहुल गांधी को बांहों में लेने को आतुर हैं और उनके आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फरीदाबाद सदैव राजनीतिक रूप से हरियाणा का अहम जिला रहा है और हमें उम्मीद है राहुल गांधी को शहर के लोगों का अपार प्यार एवं आशीर्वाद मिलेगा। श्री महेन्द्र प्रताप ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश देखकर ऐसा लगता है कि उनमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है और हमें उम्मीद है कि यह ऊर्जा 2024 तक यूं ही बरकरार रहेगी।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

सरकारी स्कूल में अध्यापकों की कमी के कारण विद्यार्थियों ने किया नेशनल हाईवे जाम

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद में सरकार की ट्रांसफर ड्राइव पॉलिसी के कारण विद्यालय अध्यापकों की कमी से जूझ रहे है। ऐसे में नाराज विद्यार्थियों का शुक्रवार की सुबह गुस्सा फूटा और सैकड़ों की तादात में विद्यार्थी एन एच 2 नैशनल हाइवे पर उतर गए। जिसके बाद विद्यार्थियों ने सराय टोल टैक्स को पूरी तरह जाम कर घंटों जमकर बवाल काटा। टोल टैक्स जाम होने के कारण हाईवे के दोनों लेन पर कई किलोमीटर तक वाहनों का लंबा जाम लग गया। हाईवे पर जाम की सूचना मिलने पर मौके पर एसीपी भारी पुलिस फोर्स के साथ जाम खुलवाने सराय टोल टैक्स पहुंचे और विद्यार्थियों को समझा बुझाकर जाम खुलवाने को कोशिश की। लेकिन विद्यार्थी अपनी मांगों पर अड़े रहे। उधर, हाईवे जाम के कारण लोगों की परेशानी बढ़ती रही। हाईवे पर प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने बताया कि सरकार की शिक्षक तबादला नीति बच्चों के भविष्य को खराब करने वाली है। सरकार ने जबसे पॉलिसी लागू की है तब से स्कूलों में अभी तक अध्यापकों की कमी पूरी नहीं हुई है और जो कुछ स्कूलों में अध्यापक बचे हुए है अध्यापक है सरकार उनका भी ट्रांसफर कर रही है बोर्ड एग्जाम सर पर है ऐसे में वह बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कैसे करेंगे कि ये गूंगी बहरी सरकार हमारी शिक्षा पर ध्यान दे और इस ट्रासफर पॉलिसी में बदलाव करके अध्यापकों को उनके स्कूलों में नियुक्ति दी जाए। अगर, सरकार अध्यापकों की नियुक्ति जल्दी नहीं कर पाती तो अभी केवल सराय स्कूल के बच्चे हाईवे पर है, अगली बार पूरे जिले के सरकारी स्कूलों के बच्चे सड़को पर होंगे और इसकी दोषी सिर्फ सरकार होगी। हालांकि, एक घंटे के बावल के बाद पुलिस प्रशासन ने बच्चों को समझा बुझाकर जाम खुला दिया है।

कलेक्टर रेटों के लिए दावे व आपत्तियां 30 दिसंबर तक करवाएं दर्ज- उपायुक्त

Faridabad/Alive News

जिलाधीश विक्रम सिंह ने कहा कि जिला फरीदाबाद के प्रस्तावित कलेक्टर रेट जो कि आगामी 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2023 की अवधि तक के लिए ड्राफ्ट किए गए हैं। जिला के प्रस्तावित कलेक्टर रेट जिला फरीदाबाद की वेबसाइट Faridabad.nic.in पर आम जनता से सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए अपलोड कर दिए गए हैं। जिलाधीश विक्रम सिंह ने फरीदाबाद की जनता से आह्वान करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुझाव प्रस्तावित कलेक्ट्रेट पर देना चाहता है, तो वह व्यक्ति आगामी 30 दिसंबर 2022 तक डीसी कार्यालय में लिखित में दे। उन्होंने कहा कि दावे और आपत्ति यूआरएल पोर्टल और ईमेल के माध्यम से भी भिजवा सकता है।

ग्रेटर फरीदाबाद के लोगों ने लगाई झाड़ू, कूड़े के ढेर पर लिखा 'शेम ऑन नगर निगम'

Faridabad/Alive News

सफाई अभियान के तहत रविवार को ग्रेटर फरीदाबाद के लोगों ने सेक्टर-76 की सड़कों तथा आस-पास के हिस्सों में साफ-सफाई कर कूड़ा उठाया। इस दौरान लोगों ने कूड़े के ढ़ेर पर शेम ऑन नगर निगम लिखकर विरोध जताया।

कूड़े के ढेर पर लोगों ने लिखा शेम ऑन नगर निगम

ग्रेटर फरीदाबाद की सोसायटियों के आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और स्थानीय निवासियों ने सेक्टर की सड़कों पर लगे कूड़े के ढेर को साफ करने के लिए सफाई अभियान चलाया है। ग्रेटर फरीदाबाद रेजिडेंट्स वेलफेयर असोसिएशन के संयोजक रमेश गुलिया, स्थानीय निवासी अभिषेक द्विवेदी और अरुण भारतीय सहित अन्य ने बताया कि सेक्टरों की सड़कों लगे कूड़े और गंदगी के कारण काफी परेशानी होती है। सड़कों से गुजरते हुए धूल उड़ती है। नगर निगम अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, कोई सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद स्वयं लोगों ने सफाई का जिम्मा ले लिया है।

नगर निगम के खिलाफ जताया विरोध

अमित गुप्ता ने बताया कि लोगों ने साफ-सफाई के बाद इकट्ठे हुए कूड़े के ढेर पर शेम ऑन नगर निगम लिखकर विरोध जताया। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सुनवाई नहीं करने के बाद लोग सड़कों पर झाड़ू लेकर उतरे हैं। इससे पहले डीपीएस और चंदीला चौक की सफाई की जा चुकी है। अभियान के तहत ग्रेटर फरीदाबाद की सभी सड़कों की साफ-सफाई की जाएगी।

दस साल से पुराने आधार कार्ड को अपडेट करना अनिवार्य-उपायुक्त

Faridabad/Alive News

उपायुक्त ने बताया कि जिला में जिन लोगों के आधार कार्ड बने हुए 10 साल से अधिक समय बीत चुका है। वह अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर आधार कार्ड को अपडेट करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समय के बाद आधार कार्ड का अपडेट होना अनिवार्य हो जाएगा। सचिवालय के कमरा नंबर 11, बड़खल और बल्लबगढ एसडीएम कार्यालयों में आधार कार्ड अपडेट किया जा रहा है। उपायुक्त ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि सभी नागरिक आधार कार्ड को अपने वोटर आईडी कार्ड से लिंक करवा लें। उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन विभाग का पुनरीक्षण अभियान अब पूरा हो गया है। इसलिए ऑनलाईन एनएसवीपी, गरूडा, वीएचए, वी-पोर्टल से भी आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ा जा सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा

23 दिसम्बर को फरीदाबाद पहुंचेंगे राहुल गांधी, होगा जोरदार स्वागत

Faridabad/Alive News

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का 23 दिसम्बर को फरीदाबाद में आगमन हो रहा है। यात्रा को सफल बनाने के लिए रविवार 11 दिसम्बर को सैक्टर-16 स्थित किसान भवन में कांग्रेस कार्यकर्ता मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सभी कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी की यात्रा को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई।

सम्मेलन को हरियाणा के राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया। जबकि मीटिंग की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष चौ. उदयभान ने की। सर्वप्रथम सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा का फरीदाबाद पहुंचने पर फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद सभी कांग्रेसियों ने राहुल गांधी जिन्दाबाद, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जिन्दाबाद, दीपेन्द्र हुड्डा जिन्दाबाद एवं प्रदेश अध्यक्ष उदयभान जिन्दाबाद के नारे लगाए गए। मीटिंग में उपस्थित कार्यकर्ताओं के समक्ष दीपेन्द्र हुड्डा ने अपने विचार एवं सुझाव पेश किए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार एकजुट होकर भारत जोड़ो यात्रा का जोरदार स्वागत करेगा। हिमाचल में कांग्रेस आई है और अब हरियाणा को जीतने की तैयारी है। आज फरीदाबाद कांग्रेस की बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जो जोश देखने को मिल रहा है, वह अपने आप में रिकॉर्ड है यह आने वाले शुभ समय का संदेश है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में पहले फरीदाबाद का टूर नहीं था, मगर मैंने उनसे आग्रह किया कि अगर आप रोहतक का रूट नहीं बना रहे हैं, तो न बनाएं, मगर फरीदाबाद का रूट अवश्य बनाएं।

जिसके बाद राहुल गांधी ने फरीदाबाद का रूट बनाया। उन्होंने कहा कि यात्रा को सफल बनाने की जिम्मेदारी हमारी है। सभी साथी मिलकर राहुल गांधी की यात्रा को सफल बनाएंगे। सुबह 6 बजे यात्रा शुरू होगी और 10 बजे तक चलेंगे। उसके बाद दोपहर 3 बजे से यात्रा शुरू होती है। फरीदाबाद के कार्यकर्ता 21 दिसम्बर को जब मुंडका बॉर्डर से जब फरीदाबाद में एंट्री करेंगे तो बडक़ली चौक से मुंडका चौक तक 15 किलोमीटर की सिंगल सड़क है। फरीदाबाद की सभी 6 विधानसभाओं से 500-500 लोग मुंडका बॉर्डर पर उनके स्वागत के लिए समय से पहुंचें।

राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में जीवा स्कूल का छात्र निखिल रहा प्रथम स्थान

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्र निखिल मौंण ने राज्य स्तर की शतरंज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता कुरूक्षेत्र में एसजीएफआई की ओर से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में राज्य के अनेक ज़िलों के स्कूली बच्चों के साथ साथ विभिन्न आयुवर्ग के लोगों ने भी भाग लिया। निखिल ने फरीदाबाद ज़िले का प्रतिनिधित्व किया। जीवा स्कूल के लिए यह गर्व का विषय है कि इतने कड़ी स्पर्धा में भी निखिल ने अपना संयम बनाए रखा व प्रथम स्थान प्राप्त किया। निखिल का चयन फरीदाबाद की शतरंज टीम में उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं बौद्धिक क्षमता को देखते हुआ। इस टीम में मुख्य रूप से चार सदस्य थे। टीम के सभी सदस्यों ने मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निखिल के अनुसार विद्यालय की ओर से भी उसे बहुत प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय में सिखाए जाने वाले स्वाध्याय के कारण उसमें एकाग्रता उत्पन्न हुई एवं अनुशासन के कारण उसने शतरंज जैसे बौद्धिक खेल में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। निखिल अपनी दसवीं कक्षा की पढ़ाई के साथ साथ शतरंज के खेल में भी सामंजस्य बनाए हुए है। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान ने निखिल के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सरहाना की और वहीं विद्यालय की एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव एवं प्रधानाचार्या अपर्णा शर्मा ने भी निखिल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गिफ्ट ने नम भूमि संरक्षण के महत्व को बताते हुए निकाली पदयात्रा

Faridabad/Alive News

शुक्रवार को ग्रीन इंडिया फाउंडेशन (गिफ्ट) ने नम भूमि संरक्षण के महत्व को बताते हुए बड़खल झील से सूरजकुंड तक पदयात्रा निकली। नम भूमि संरक्षण पदयात्रा विश्व जल परिषद, फ्रांस के सदस्य और ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ जगदीश चौधरी द्वारा आयोजित की। इस अवसर पर डॉ. चौधरी ने बताया कि फरीदाबाद पानी की कमी से जूझ रहा है। लेकिन यमुना नदी और अरावली की पहाड़ियों के बीच का एक हिस्सा उपजाऊ और जल से भरपूर है। लेकिन सरकारी उपेक्षा, गलत नीतियों के कारण जिले के सभी जल स्त्रोत खत्म होते जा रहे हैं। अधिकतम जल वाले क्षेत्रों पर जैसे झील, तालाब, नदियों पर लोगों ने या तो कब्जा कर लिया है या फिर उनमें इतनी गंदगी डाल दी गई है कि वह कूड़ा घर ज्यादा नजर आते हैं। इसी भाव को ध्यान में रखते हुए फरीदाबाद के लोगों को पीने का पानी बाहर से ना मांगना पड़े आज उसी को लेकर ÷नम भूमि संरक्षण यात्रा÷ बड़खल झील से लेकर सूरजकुंड के तथाकथित सूखे कुंड तक निकाली गई, ताकि राज और समाज थोड़ा संवेदनशील हो और इस विषय में अपने व्यवहार बदले जिससे फरीदाबाद जलदार हो सके। यमुना पुत्र अशोक उपाध्याय ने जल के पर्यावरणीय महत्व और उस पर अपनी नैतिक जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया। बागपत से संजय राणा ने हरियाली जल और मानवीय जीवन के त्रिकोण को समझाया और आपसी निर्भरता स्पष्ट की। हरियाणा युवा शक्ति के अध्यक्ष और राष्ट्रीय युवा योजना के हरियाणा प्रभारी रोहतक से सुरेश राठी, अलीगढ़ उत्तर प्रदेश सुबोध शर्मा, गाजियाबाद से

प्रशांत सिंहा, दिल्ली से डॉ नीलम रानी, अरावली बचाओ की अध्यक्ष नीलम अहलूवालिया और उनके साथी, इंडियन सूट ऑफ वाटर एजुकेशन के निदेशक संजय गुप्ता व भारत सेवक प्रतिष्ठान के निदेशक श्रीकृष्ण सिंगल ने जल, प्लास्टिक और पेड़ की महत्ता को समझाया और पूरी पदयात्रा में मार्गदर्शन का कार्य किया। इस मौके पर बल्लभगढ़ बालाजी कॉलेज के शिक्षाविद प्रोफेसर अरविंद गुप्ता, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरुकुल फरीदाबाद व आइडियल पब्लिक स्कूल शिवदुर्गा विहार के छात्रों ने इस यात्रा में बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

अस्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों को सरकार ने नही दिया एक्सटेंशन, 60 हजार बच्चों का भविष्य खतरे में

Faridabad/Alive News

हरियाणा के 1338 अस्थायी स्कूलों को इस साल एक्सटेंशन न मिलने पर 10वीं व 12वीं के करीब 60 हजार बच्चे बोर्ड परीक्षा फार्म नहीं भर पाए हैं। नियमित छात्र होने के बावजूद इन बच्चों के पेपर होंगे या नहीं, इसे लेकर अभिभावक व स्कूल संचालक परेशान हैं। प्रदेश सरकार अस्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों को हर साल एक वर्ष की एक्सटेंशन देती आई है लेकिन इस वर्ष मान्यता नहीं बढ़ाई गई। जिस कारण शिक्षा बोर्ड से स्कूल संबद्धता नहीं ले पाए है, इसके चलते बच्चों के 10वीं व 12वीं के पंजीकरण व परीक्षा फार्म नहीं भरे जा सके।

प्राइवेट स्कूल संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा कि स्कूलों के एमआईएस पोर्टल पर ऑनलाइन दाखिले किए गए हैं, खेल निधि भी बच्चों ने शिक्षा विभाग में जमा करवाई है। परीक्षा फार्म भरवाने को लेकर बोर्ड चेयरमैन का कहना है कि हर वर्ष शिक्षा विभाग से अस्थायी स्कूलों को अनुमति मिलने के बाद ही संबद्धता दी जाती है। सत्र 2022-23 के लिए अस्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची संबद्धता के लिए स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त नहीं हुई है। बोर्ड इन स्कूलों के बच्चों के फार्म भरवाने में असमर्थ है।

कुंडू ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मांग की है कि दरियादिली दिखाते हुए वह 1338 अस्थायी स्कूलों को एक्सटेंशन दिलाएं ताकि बच्चे बोर्ड परीक्षा में बैठ सकें। स्कूल हाईकोर्ट भी गए हुए हैं, इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में होनी है

पीयूष हाइट्स आरडब्ल्यूए के सात पदाधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी

Faridabad/Alive News

सेक्टर-89 स्थित पीयूष हाइट्स की आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों के बीच के विवाद मामले में जीएमआईसी ज्योति ग्रोवर की कोर्ट ने बीपीटीपी थाना प्रभारी को आदेश दिए है कि रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष दीपक कुमार शर्मा, महासचिव मनीष कुमार शर्मा, सयुक्त सचिव ब्रिजेश शर्मा, खजांची सौरव जैन, कार्यकारी सदस्य यामिनी गोस्वामी, मोहित शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर 17 दिसंबर 2022 तक जांच रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें।

पीयूष हाईट सोसाइटी निवासी अनिल कुमार ने फरीदाबाद न्यायालय में उक्त आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के खिलाफ याचिका दायर की थी, उसमें कोर्ट को बताया था कि सोसाइटी में करीब 900 परिवार रहते है। 2018 ने पीयूष बिल्डर के खिलाफ कई अपराधिक मामले दर्ज होने के बाद बिल्डर को जेल हो गई थी। इसके बाद सोसाइटी के रखरखाव की जिम्मेदारी आरडब्ल्यूए ने ले ली। सोसाइटी के रखरखाव की जिम्मेदारी लेने के बाद आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने मनमानी करना शुरू कर दिया। पदाधिकारियों ने सोसाइटी में रहने वाले लोगों से सोसाइटी मेंटनेंस के नाम पर जबरन पैसा वसूली शुरूकर दी और विरोध करने वाले लोगों को बाउंसरों से पीटवाना शुरू कर दिया।

पीयूष हाईट सोसाइटी निवासियों ने अदालत को बताया कि सोसाइटी में प्रीपेड मीटर लगे है और वह 7.25 पैसे की प्रति यूनिट की दर से बिजली बिल भर रहे है। इसके अलावा वह डीजल जनरेटर बैकअप एनर्जी के लिए 21.25 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिल का भुगतान कर रहे हैं और बदले में ना उन्हें बिल की रसीद दी जा रही है और ना ही उनके पास बिल का कोई रिकॉर्ड मौजूद है। सोसायटी वासियों ने आरडब्लूए सदस्यों पर आरोप लगाया कि सोसाइटी में लगे प्रीपेड मीटर बिल्कुल सही और सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। उसके बावजूद भी आरडब्लूए के पदाधिकारियों ने जबरन मीटर बदलने के लिए दबाव बनाया और बदले में एक परिवार से 7 हजार रूपए की मांग की, सोसायटी वासियों ने जब इसका विरोध किया तो आरडब्लूए के पदाधिकारियों ने उनके घरों की बिजली काटने के साथ साथ उनके साथ मारा पीटा, जान से मारने की धमकी दी और फ्लैट का प्रीपेड कूपन मीटर का रिचार्ज कराने से भी मना कर दिया।

ब्लू बर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में साइंस एग्जिबिशन का आयोजन

Faridabad/Alive News

एसजीएम नगर स्थित ब्लू बर्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को साइंस एग्जिबिशन का आयोजन किया। ? एग्जीबिशन में कक्षा चौथी से बारहवीं तक के बच्चों ने मॉडल प्रस्तुत किए। कक्षा चौथी से आठवीं तक के बच्चों ने नॉन वर्किंग मॉडल तथा आठवीं से बारहवीं तक के बच्चों ने वर्किंग मॉडल प्रस्तुत किए। फोटोसिंथेसिस, वेक्यूम, वाटर रीसायकल, प्रोजेक्टर, यूरिनरी सिस्टम पर बच्चों ने मॉडल दिए। स्कूल की प्रिंसिपल नलिनी मोहन ने बताया कि एग्जीबिशन में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया है। ?साइंस के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाने के लिए एग्जीबिशन का आयोजन किया गया। पर्यावरण पर बच्चों ने एयर पोलूशन पर मॉडल बनाया है। इस अवसर पर बच्चों को भविष्य में ऐसे ही मॉडल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रिंसिपल नलिनी मोहन ने कहा कि स्कूल समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

फर्जी दस्तावेज पर 35 निजी स्कूलों को मिली सीबीएसई की मान्यता, शिक्षा विभाग जल्द जारी करेगा नोटिस

Faridabad/Alive News

हरियाणा में फर्जी दस्तावेज के आधार पर दलालों ने 35 निजी स्कूलों को सीबीएसई की संबद्धता दिला रखी है। वहीं, स्कूल शिक्षा विभाग इन स्कूलों की सूची तैयार कर चुका है और जल्दी कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगेगा और कुरुक्षेत्र के चार और कैथल के दो स्कूलों को गलत तरीके से संबद्धता दिलाने वाले दलाल के खिलाफ दोनों जिलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के कार्रवाई न करने से दलाल खुलेआम घूम रहा है और निजी स्कूल संचालकों के साथ अब भी संपर्क में है। कैथल और कुरुक्षेत्र जिले के एसपी के संज्ञान में भी यह मामला है। लेकिन स्कूल मालिकों की ऊपर तक पहुंच होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो रही। एडीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल भी फर्जी दस्तावेज के आधार पर सीबीएसई की संबद्धता दिलाने वाले दलालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दे चुके हैं, बावजूद इसके दलालों पर शिकंजा नहीं कस रहा। स्कूल शिक्षा विभाग ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है, चूंकि दस्तावेज तैयार करते समय सेकेंडरी शिक्षा विभाग के निदेशक के हस्ताक्षर भी फर्जी किए गए हैं। शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर इस मामले में कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दे चुके हैं। इसके बाद ही शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों ने 35 स्कूलों की सूची तैयार की है।

आठवीं तक की संबद्धता पर 12वीं तक चला रहा कक्षाएं-गुरुग्राम में एक नामी स्कूल आठवीं कक्षा तक की संबद्धता होने पर दूसरी शाखा में नौवीं से बारहवीं तक की कक्षाएं भी चला रहा है। मारुति कुंज और डीएलएफ फेज-दो में इसकी शाखाएं हैं। अब स्कूल शिक्षा विभाग ने हाईकोर्ट के निर्देश पर स्कूल के खिलाफ शिकंजा कस दिया है। दीपक जैन ने हाईकोर्ट में स्कूल के

खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया था कि नौवीं से बारहवीं तक की संबद्धता नहीं है। स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट भी नहीं दिया जा रहा। हाईकोर्ट के निर्देश पर विभाग ने जांच कराई तो आरोप सही पाए गए। नियमों के उल्लंघन पर स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा गया है। निदेशक सेकेंडरी शिक्षा, डॉ. अंशज सिंह की ओर से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि नियमों के उल्लंघन पर क्यों न दोनों स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी जाए और जुर्माना भी लगाएं। स्कूल अगर संतोषजनक जवाब नहीं देता है तो विभाग आगे की कार्रवाई करेगा।

31 दिसंबर तक विद्यार्थियों को परिवार पहचान पत्र से जोड़ना अनिवार्य

Chandigarh/Alive News

हरियाणा सरकार ने अब हर छात्र के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय सहित राजकीय, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के सभी शिक्षण संस्थानों को यह दायित्व निभाने के निर्देश दिये गये हैं। इस कार्य को पूरा करने के लिए 31 दिसंबर की समय सीमा तय की गई है। सरकार के इस नए आदेश को लेकर हरियाणा शिक्षा विभाग एक निश्चित प्रारूप बना रहा है। इसमें छात्र की फैमिली आईडी बनाने के लिए उसे शिक्षण संस्थान से साझा किया जाएगा। संस्थान तब छात्रों का विवरण एकत्र करेगा और स्थानीय प्रशासन उन छात्रों से संपर्क करेगा और उन्हें और उनके परिवारों को परिवार आईडी में पंजीकृत करेगा। परिवार पहचान पत्र की मदद से हरियाणा सरकार ने 37 लाख फर्जी लेनदेन के मामले पकड़े हैं। करीब 150 योजनाओं में यह लोग गलत फायदा उठा रहे थे। हरियाणा सरकार ने योजना से अपात्र लोगों को बाहर करने के कारण 1,200 करोड़ रुपये की बचत का दावा किया है। पीपीपी पोर्टल पर करीब 70 लाख परिवार और 2.60 करोड़ सदस्य पंजीकृत हो चुके हैं। पीपीपी के माध्यम से राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र भी बनाया जा रहा है. हरियाणा सरकार 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों के आधार पंजीकरण पर भी जोर दे रही है। पीपीपी कार्ड से अब तक 4.5 लाख वृद्धावस्था पेंशन काटी जा चुकी है।

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

संपादकीय

तिलक राज शर्मा
संपादक

संदेश देता युद्धाभ्यास

तवांग में चीन की कुटिल चाल समझने और उसका मुंहतोड़ जवाब देने के बाद उस इलाके में भारत को सख्त रवैया अपनाना ही था। चीन को उसी की भाषा में जवाब देने में ही समझदारी है। बार-बार चीन की साजिश को नजरअंदाज करना देश के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। लिहाजाग चीन बॉर्डर पर (तवांग) भारतीय वायुसेना का युद्धाभ्यास चीन को यह बताने को काफी है कि भारत चीन की हर साजिश और करतूत का मजबूती से जवाब देगा। यही वजह है कि सरकार ने इस युद्धाभ्यास में राफेलग सुखोई समेत देश के लगभग सभी ॣटलाइन फाइटर जेट को अपनी ताकत दिखाने को कहा है। इसमें भारत के सभी ॣटलाइन एयरबेस और कुछ एडवांस लैंडिंग ग्राउंड्स का भी इस्तेमाल किया जाएगा। चीन भारत पर दबाव बनाने के वास्ते रह-रहकर इस तरह की करतूतों को अंजाम देता रहता है। तवांग पर पिछले दिनों हुई मुठभेड़ की एक अहम वजह चीन की शी जिनपिंग सरकार और कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ जनता का भारी आक्रोश भी माना जा रहा है। चीन की जनता का ध्यान भटकाने के लिए चीन सरकार ने इस तरह की हरकत की है। यह जानते हुए कि भारत ने हाल के वर्षों में अपनी कूटनीति से लेकर विदेश नीति और सैन्य नीति में व्यापक बदलाव किया है। अब वह समझाने से ज्यादा क्रिया के खिलाफ प्रतिक्रिया देने में यकीन रखता है। गलवान की घटना और उससे पहले डोकलाम में चीन की सेना के खिलाफ लंबे समय की सैनिक टुकड़ियों की तैनाती इसका उदाहरण हैं। इतना कुछ होने के बावजूद चीन अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत भी उसकी इन हरकतों पर नजर बनाए हुए हैग फिर भी कुछ कमियों को हमें दूर करना होगा। तवांग में जिस तरह 600 से ज्यादा चीनी सैनिक पूरी तैयारी के साथ इकट्ठा हुए थेग उसे पहले ही भांप लेने की कुशलता हमें जाननी होगी। किसी भी तरह की लापरवाही या ढि॰लाई से मामला बिगड़ सकता है। इसलिए हमें वायुसेना की ताकत को समय-समय पर परखने की महती जरूरत है। अच्छी बात है कि फ्रांस से करार के तहत खरीदे गए रफाल विमान का अंतिम बेड़ा भी गुरुळवार को भारत आ गया। स्पष्ट है कि चीन की मंशा को लेकर किसी भी तरह की गफलत नहीं पालने में ही भलाई है। भारतीय युद्धक विमानों के गरजने से यकीनन चीन को यह बात समझ में आ जानी चाहिए कि अब भारत बदल चुका है॥।

गौ आधारित राष्ट्र की आर्थिक संरचना

गौ आधारित जीवन संरचना हमारा मूलाधार है इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। इसके इर्द-गिर्द ही हमारी अर्थव्यवस्था घूमती है। यथार्थ भारतीय संस्कृति में धरती गौ और जननी को मां का स्थान दिया गया है। भारतवर्ष सदैव से कृषि और कृषि प्रधान राष्ट्र रहा है। इस राष्ट्र की आर्थिक एवं मानव जीवन की संरचना का केंद्र बिंदु गौ आधारित रहा है। इसे सुरक्षित और संरक्षित करने की जिम्मेदारी अब हमारी है। यथेष्ठ हमारे मंत्र दृष्टा ऋषि ने गौमाता के महत्व को समझते हुए प्रत्येक मनुष्य के लिए गौपालन और गौसंरक्षण का सूत्र दिया है। गौ आधारित आर्थिक संरचना के बल पर यह भारत भूमि शस्य- श्यामला और धन-धान्य से परिपूर्ण रही। ऐसी गौ आधारित आर्थिक संरचना के बल पर यह भारत राष्ट्र सोने की चिड़िया कहलाता था। जैसी गौमाता की स्थिति होती है वैसी हम सबकी एवं समग्र विश्व की परिस्थिति निर्माण होती है।
स्तुत्य समुद्र मंथन के दौरान निकले 14 रत्नो में से एक कामधेनु गाय भी थी। जिसे भगवान श्री कृष्ण अपना स्वरूप बताते है। गौपालन वैदिक समाज एवं संस्कृति का केन्द्रीय तत्व था। गौमाता का दुग्ध दही घृत गोबर एवं गौमूत्र से तैयार पंचगव्य को साधना एवं औषधि के एक प्रमुख घटक के रूप में प्रयोग किया जाता था जिसका चलन आज भी जारी है। ग्रामीण जीवन का तो यह आधारस्तंभ भी है। शारीरिक स्वास्थ्य एवं निरोगिता में गौदुग्ध घृत एवं दही के सेवन का महत्व सर्वविदित है। गाय के गोबर में परमाणु विकिरणों तक को निरस्त करने की क्षमता को वैज्ञानिक आधार पर प्रमाणित किया जा चुका है। गौमूत्र औषधीय गुणो से भरा हुआ है। ऐसे ही गौ का संग सानिध्य एवं इसके उत्पादो का सेवन मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से व्यक्ति का कायाकल्प करने वाला पाया गया है।
अभिभूत गौपालन पर आधारित संस्कृति के माध्यम से परिवार एवं सामाज में सात्विक भावों का प्रसार आज के वैचारिक प्रदूषण से दूषित होते युग में एक बहुत बड़ा कार्य है। साथ ही गौ-उत्पाद आर्थिक स्वावलंबन के सुदृढ़ आधार हो सकते है। शोध के आधार पर जैविक कृषि की सर्वांगिण सफलता देशी नस्ल की गाय पर केन्द्रित मानी जा रही है जिसमें गाय के गोबर से लेकर गौमूत्र का बहुतायत में उपयोग किया जाता है। इन सब लाभो के आधार पर ग्रामीण जीवन के उत्थान से जुड़े कार्यक्रमो की केन्द्रीय धूरी के रूप में गोपालन की उपयोगिता स्वयंसिद्ध है लेकिन देश में इसकी वर्तमान स्थिति बहुत संतोषजनक नही है।
अलबत्ता आज भी व्यापक स्तर पर गौपालन उपेक्षा का शिकार है। शहरो में अवारा पशु के रूप में जहॉ-तहॉ इसे टहलते देखा जा सकता है। कुछ अज्ञानतावश तो कुछ व्यक्ति की अदूरदर्शिता एवं लोभवृत्ति के कारण गौपालन में विकृति आ चली है। गाय से अधिक से अधिक दूध एवं लाभ लेने की वृत्ति के चलते पारंपरिक रूप से उपलब्ध देसी गायों की उपेक्षा हो रही है तथा कुछ नस्ले तो विलुप्त के कगार पर है। इनके स्थान पर ऐसी नस्लो की गायों के पालन का चलन बढ़ चला है जिनसे अधिक दूध एवं तात्कालिक आर्थिक लाभ मिलता हो लेकिन दूरगामी दृष्टि से इनसे लाभ की तुलना में हानि अधिक हो रही है। न इसके दुग्ध में वो स्वास्थ्यवर्धक गुण रहते है न ही सात्विकता का भाव जिस कारण इसका स्वास्थ्यवर्धक एवं आध्यात्मिक महत्व माना जा रहा है। इस परिस्थिति में शुद्ध देशी नस्लों के गौधन के संवर्द्धन एवं प्रसार की आवश्यकता है। आवशकयता हर घर में गौपालन तथा हर ग्राम में गौशालाओं की स्थापना की है। तथा इनको सवंर्द्धित करने की है जिससे स्वावलंबी ग्रामीण जीवन आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो सके।

चिंतन-मनन

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला गुरुजी यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया।
ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला गुरुजी नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था।
उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले पुत्र देखा तुमने छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यो से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है इसलिए उसके जल में मिठास है।
व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

बीते 17 सालों में कोयला बिजली उत्पादन को नहीं मिला सार्वजनिक बैंकों की फंडिंग का ख़ास साथ

सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकाउंटेबिलिटी (सीएफए) की नई रिपोर्ट द कोल टेल ट्रैकिंग इन्वेस्टमेंट्स इन कोल फायर्ड थर्मल पावर प्लांट्स इन इंडिया ने देश में कोयले से चलने वाले बिजली घरों को दी गई वित्तीय सहायता का खुलासा करते हुए बताया है कि साल 2005 से 2022 के बीच भारत में 84 राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं ने 1000 मेगा वाट या उससे ज्यादा की क्षमता वाले थर्मल पावर प्लांट संबंधी परियोजनाओं के लिए 7.62 लाख करोड़ रुपए का कर्ज उपलब्ध कराया है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब पिछले दिनों मिस्र के शर्म अल शेख में जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन COP27 का समापन हुआ है, जहां भारत ने प्रदूषणकारी तत्वों के उत्सर्जन में कमी लाने और विकास की अपनी दीर्घकालिक रणनीतियों का ऐलान किया है। इसके अलावा भारत ने हाल ही में एक दिसंबर को जी-20 देशों की शिखर बैठक की अध्यक्षता भी संभाली है। इस बैठक में भी ऊर्जा रूपांतरण पर चर्चा होगी।

इस रिपोर्ट में वर्ष 2005 से 2022 के बीच देश के 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 140 थर्मल पावर प्लांट्स के डाटा का विश्लेषण किया गया है। इनमें से 122 चालू हो चुके हैं और 18 अपने निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से वर्ष 2005 से 2022 के बीच स्थापित 122 प्लांट्स 204 गीगावाट की कुल स्थापित क्षमता में से लगभग 196 गीगावॉट का उत्पादन करते हैं। कुल बिजली उत्पादन में से 122 गीगा वाट का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के थर्मल पावर प्लांट द्वारा और 73 गीगा वाट का उत्पादन निजी स्वामित्व वाले संयंत्रों के जरिए होता है।

सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकाउंटेबिलिटी में डाटा एनालिस्ट और इस रिपोर्ट के लेखक कैनेथ गोम्स ने कहा 卐परियोजना की साध्यता की किसी भी जांच के लिए उसके वित्त पोषण संबंधी जानकारी बेहद जरूरी है। न सिर्फ दक्षता और आवश्यकता के मामले में बल्कि ऐसी परियोजनाओं से जुड़े पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों के मामले में भी यह जरूरी है। मगर इसके बावजूद ऐसी सूचना विरले ही आम लोगों तक पहुंच पाती है। ऐसा मुख्य रूप से पारदर्शिता की कमी और बैंक तथा उपभोक्ता के बीच विश्वास आधारित संबंधों के चालाकी भरे इस्तेमाल के कारण होता है। इस रिपोर्ट का मकसद इस विषमता को खत्म करना और ऐसी सूचनाओं को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना है ताकि वित्तीय संस्थानों से जवाबदेही की मांग को प्रोत्साहन मिल सके।

इस साल के शुरू में भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने एक विमर्श पत्र (डिस्कशन पेपर) जारी किया था जिसमें क्लाइमेट रिलेटेड फिनेंशियल डिस्क्लोजर (टीसीएफडी) को लेकर एक टास्क फोर्स बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया था। टीसीएफडी जलवायु संबंधी जोखिमों के खुलासे के लिए अपनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मानक है।

घरेलू स्तर पर दिए गए 7.12 लाख करोड़ रुपए के कर्ज में से पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड (आरईसी) ने कुल 4.19 लाख करोड़ रुपए के कर्ज बांटे हैं जो गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा दिए गए कुल ऋण का करीब 90त्न है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से भारतीय स्टेट बैंक ने कुल 55 थर्मल पावर प्लांट्स को कर्ज दिया है जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बांटे गए कुल ऋण का 35.21त्न है। भारत के अंदर निजी बैंकों ने कोयले से चलने वाले बिजली घरों की परियोजनाओं को 0.2 78 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया है। इनमें से आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे ज्यादा 0.073 लाख करोड़ रुपए का ऋण दिया है। इसके बाद एक्सिस बैंक ने 0.071 लाख करोड़ और एचडीएफसी में 0.0615 लाख करोड़ रुपए का कर्ज बांटा है। राज्यवार आंकड़े देखें तो तमिलनाडु ने थर्मल पावर प्लांट संबंधी परियोजनाओं के लिए सबसे ज्यादा 0.847 लाख करोड़ रुपए का कर्ज हासिल किया है। उसके बाद तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की बारी आती है।

इस रिपोर्ट में 22 अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के आंकड़ों को शामिल किया गया है जिन्होंने भारत में थर्मल पावर प्लांट संबंधी परियोजनाओं के लिए 0.503 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया है। जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन ने 0.0734 लाख करोड़ रुपए का ऋण दिया है। वहीं, चाइना डेवलपमेंट बैंक ने 0.0641 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया है। भारत में कोयला क्षेत्र को दिए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय ऋण में जापान और चीन का दबदबा है। कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों में जेबीआईसी, जेआईसीए, चाइना एक्जिम बैंक, मिजूहो कॉरपोरेशन बैंक लिमिटेड, इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना तथा अन्य शामिल हैं।हालांकि हाल के वर्षों में थर्मल पावर उत्पादन क्षमता में वृद्धि में गिरावट देखी गई है। कोकिंग और गैर कोकिंग कोयले समेत कोयले की कुल आपूर्ति पिछले पांच साल के दौरान 808 मिलियन टन से बढ़कर 955 मिलियन टन हो गई है। वित्तीय संस्थान हालांकि संबंधित जोखिमों को देखते हुए थर्मल पावर प्लांट्स को कर्ज देने से पहले से ज्यादा कतरा रहे हैं। हाल ही में जारी कोल वर्सेस आरई इन्वेस्टमेंट्स रिपोर्ट के मुताबिक फेडरल बैंक ऐसा पहला वाणिज्यिक बैंक था जिसने कोयले से चलने वाले बिजली घर संबंधी परियोजनाओं को कर नहीं देने संबंधी नीति का ऐलान किया था। हाल ही में सर्वोदय स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी कोयला आधारित परियोजनाओं के लिए कर्ज नहीं देने की घोषणा की थी।

रिन्युबल एनेर्जी और इलेक्ट्रिक वाहनों सब्सिडी हुई दोगुनी से ज्यादा

भारत द्वारा अक्षय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों पर दी जाने वाली सब्सिडी वित्तीय वर्ष 2022 में दोगुनी से भी ज्यादा हो गयी है। मगर सरकार के सामने आने वाले वर्षों में देश के जलवायु सम्बन्धी लक्ष्यों को हासिल करने के लिये इस रफ्तार को बनाये रखने की चुनौती होगी। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईआईएसडी) द्वारा आज जारी की गयी रिपोर्ट में यह बात कही गयी है।

‘मैपिंग इंडियाज एनर्जी पॉलिसी 2022 (अपडेट)ः ट्रैकिंग गवर्नमेंट सपोर्ट फॉर एनर्जी’ शीर्षक वाले इस अध्ययन में पाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2022 में अक्षय ऊर्जा के लिये 11529 करोड़ रुपये रही, जो वर्ष 2021 में 5774 करोड़ रुपये थी, वहीं इसी अवधि में इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी में 160 प्रतिशत

का उछाल आया और यहां 906 करोड़ रुपये से बढ़कर 2358 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी।

अध्ययन में पाया गया है कि यह उछाल बेहतर नीतिगत स्थिरता, सोलर फोटोवोल्टिक की स्थापना में 155 प्रतिशत के उछाल और कोविड महामारी के बाद अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि का परिणाम है। फिर भी, इस रुख की पुष्टि के लिये सरकार को सब्सिडी, सार्वजनिक वित्त और सार्वजनिक स्वामित्व वाली कम्पनियों द्वारा निवेश रूपी सहयोगी उपायों को अगले कुछ वर्षों के दौरान और बढ़ाने की जरूरत है ताकि वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर जीवाश्म विद्युत उत्पादन क्षमता हासिल की जा सके और वर्ष 2070 तक भारत को शून्य उत्सर्जन करने वाला देश (नेट जीरो) बनाया जा सके। ऐसा इसलिये है कि वित्तीय वर्ष 2022 में भारत साफ ऊर्जा के मुकाबले जीवाश्म ईंधन को अब भी चार गुना ज्यादा सहयोग कर रहा है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2021 से ही इसमें उल्लेखनीय रूप से कमी आ रही है, जब सहयोग को नौ गुना बढ़ाया गया।

आईआईएसडी के पॉलिसी एडवाइजर और इस अध्ययन के सह लेखक स्वास्ति रायजादा ने कहा 卐भारत द्वारा जीवाश्म ईंधन को निरंतर समर्थन दिया जाना इस देश के ऊर्जा पहुंच, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी मुद्दों को संबोधित करने के दीर्घकालिक उद्देश्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार द्वारा अपने सहयोग को जलवायु सम्बन्धी लक्ष्यों के अनुरूप बनाने के लिये इस मदद को जीवाश्म ईंधन के बजाय साफ ऊर्जा की तरफ मोड़ना होगा। इन कदमों में वर्ष 2070 तक नेट जीरो के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को हासिल करने के लिये निवेश सम्बन्धी स्पष्ट योजनाएं और अंतरिम लक्ष्य विकसित करना भी शामिल है।卐

अध्ययन में पाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2022 में कोयले, जीवाश्म गैस और तेल पर कुल 60,316 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गयी जो वास्तविक मायनों में वित्तीय वर्ष 2014 के मुकाबले 76 प्रतिशत कम है। सबसे खास बात यह है कि वित्त वर्ष 2022 में तेल और गैस सब्सिडी 28त्न गिरकर 44,383 करोड़ रुपये हो गई- लेकिन इसमें उत्पाद शुल्क में कटौती और डीजल और पेट्रोल पर वैट से राजस्व शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत ने वित्त वर्ष 2022 में ऊर्जा क्षेत्र का समर्थन करने के लिए कम से कम 5 लाख करोड़ रुपये दिये। इसमें सब्सिडी के रूप में 2.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक शामिल हैं। जीवाश्म ईंधन से सरकार को महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधन प्राप्त होते हैं। वित्तीय वर्ष 2022 में सरकार के कुल राजस्व का 19 प्रतिशत हिस्सा यानी नौ लाख करोड़ रुपये ऊर्जा क्षेत्र से ही प्राप्त हुए थे। आईआईएसडी के विशेषज्ञों ने पाया कि जीवाश्म ईंधन से उत्पादित बिजली से सरकार को मिलने वाले राजस्व के मुकाबले समाज को उसका चार गुना खामियाजा भुगतना पड़ता है।

रिपोर्ट में पाया गया कि सामाजिक लागत के रूप में भारतीयों को जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल करने के लिये 14 लाख करोड़ रुपये से लेकर 35 लाख करोड़ रुपये तक की कीमत चुकानी पड़ती है। उन्हें यह खामियाजा वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के रूप में चुकाना पड़ता है और इसमें प्रभावों के विस्तार और अनिश्चितता की झलक की एक पूरी श्रंखला शामिल है। रायजादा ने कहा 卐सरकार के पास लोगों और व्यवसायों को स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन करने में मदद करने के लिए रणनीतिक रूप से इस विशाल ऊर्जा राजस्व का इस्तेमाल करने का सही मौका है। लंबे समय में यह न सिर्फ जीवाश्म ईंधन की सामाजिक लागत को कम करेगा बल्कि भारत में एक स्वच्छ और अधिक किफायती ऊर्जा प्रणाली को आकार देगा।

बतंगड़ बेतुक

इनसे कौन बचाए चीन को

विभांशु दिव्याल

झल्लन का चेहरा तमतमा रहा था, गुस्से में वह भुजाएं फड़का रहा था। हमें देखते ही बोला, ‘बस ददाजू, बहुत हो गया अब हम इसे नहीं छोड़ेंगे, इसकी गर्दन मरोड़ेंगे और जहां-जहां से तोड़ सकेंगे तोड़ेंगे।’
हमने पूछा, ‘अबे झल्लन, काहे आपे से बाहर हुआ जा रहा है किस बात पर इतना ताव खा रहा है और किसे तोड़ने-फोड़ने जा रहा है?’ झल्लन बोला, ‘अरे वही हमारा पड़ोसी जो जब चाहे तब सर उठाए हमारे घर में घुस आता है, हमारे घर की सरहद पर बैठकर हमें खिजाता है, पर हम सोच लिए हैं हम इसे ऐसा सबक सिखाएंगे, ऐसी मार मचाएंगे कि इसके अंजर-पंजर ढीले हो जाएंगे और इसके सारे कस-बल निकल जाएंगे।’ हमने कहा, ‘झल्लन, दो-तीन बार तो हम भी तेरे घर पर आये हैं, तेरे अड़ोस-पड़ोस में भी नजर घुमाए हैं पर जो तेरे घर में घुसकर तुझे चिढ़ाए ऐसा तो किसी को नहीं पाये हैं।’
झल्लन बोला, ‘क्या ददाजू, आप बार-बार खिसक जाते हो एकदम सीधी बात भी नहीं समझ पाते हो। हम अपने मुल्क की बात कर रहे हैं, मुल्क की सरहद की बात कर रहे हैं जहां धृष्ट पड़ोसी जब-तब घुस आता है, सड़कछाप गुंडों की तरह मारपीट कर चला जाता है। अब देखिए, तवांग में भी इसके सैनिक मारपीट कर दिये और हमारे बहादुर जांबाज सैनिकों के हाथों पिटकर चल दिये। अब की बार मुंह दिखाएंगे तो हम उन्हें बीजिंग तक खदेड़ कर आएंगे।’ हमने कहा, ‘तू तो ऐसे कह रहा है जैसे चीन के सैनिक चीनी से बने हों जिन पर तू पानी के चार-छह छींटे लगा देगा और उन्हें गला देगा। चीन इस समय दुनिया की बहुत बड़ी ताकत है जिसके सैनिकों को कोई यूं ही पीटकर नहीं भगा सकता और अगर पीट भी देगा तो बिना नुकसान वापस नहीं आ सकता।’ झल्लन बोला, ‘देखिए ददाजू, पुरानी बातें पुरानी हो गयीं जब हमलावर आते थे, हमें पीटकर चले जाते थे लेकिन अब यह हमारे मोदी जी का इंडिया है जो भी हमें आंख दिखाएगा वो आंख निकलवा कर जाएगा और बहुत पछताएगा।’

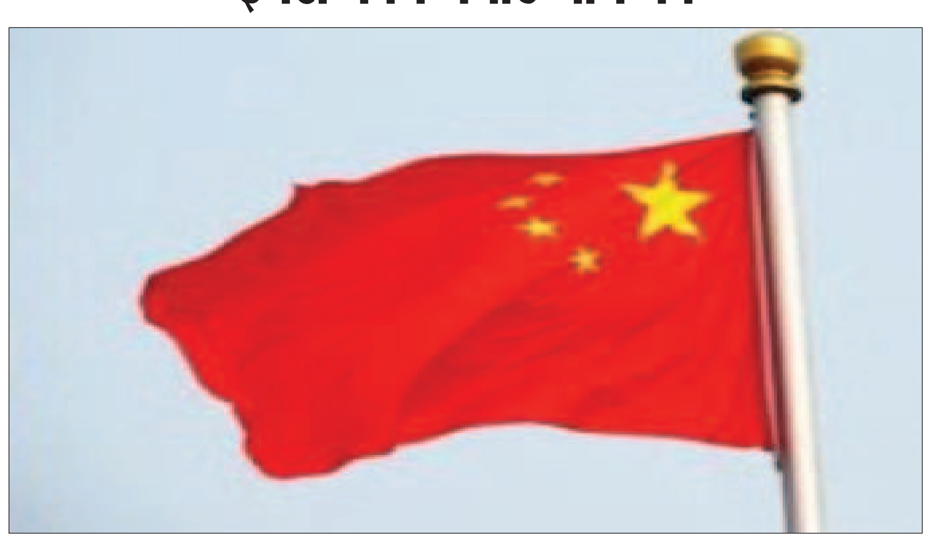

हमने कहा, ‘झल्लन, तू चीजों को हवा में हांक रहा है उन्हें सही नहीं आंक रहा है। चीन की फौज बहुत बड़ी है जो किसी से भी टकरा सकती है, किसी का भी किला ढहा सकती है।’ झल्लन बोला, ‘तो हमारी फौज ने भी चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं। अगर चीन की फौज ज्यादा हाथ-पैर हिलाएगी तो हमारी फौज से तगड़ी मार खाएगी।’ हमने कहा, ‘झल्लन, तुझे पता है चीन की नौसेना दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना है, हम उसके आगे ज्यादा नहीं टिक पाएंगे, हम उसका कितना भी नुकसान कर दें पर ज्यादा नुकसान हम ही उठाएंगे।’ झल्लन बोला, ‘देखिए ददाजू, चीन की नौसेना, थलसेना, वायुसेना चाहे जितनी ताकतवर हों पर वे हमसे टकराने की जुर्रत करेंगी तो उसकी भारी कीमत भरेंगी और मार खाके सिर्फ हाय हाय करेंगी।’ हमने कहा, ‘झल्लन, चीन बहुत बड़ी परमाणु शक्ति है उसके पास आधुनिकतम हथियारों का बहुत बड़ा भंडार है, कमजोर हम भी नहीं है पर हम तीन हैं तो वह चार है। अगर लड़ाई हुई तो हम आसानी से नहीं जीत पाएंगे और चाहे हम जितनी ताकत लगा लें ज्यादा नुकसान हम ही उठाएंगे।’
झल्लन बोला, ‘कैसी बात करते हो ददाजू, आपने देखा नहीं तवांग में हमने कैसा कमाल कर दिखाया है, चीन को उसकी औकात दिखाकर मार भगाया है।’ हमने कहा, ‘पर झल्लन, हमारे देश का विपक्ष तो कुछ और कह रहा है, वह सरकार की बात पर भरोसा नहीं कर रहा है, कह रहा है कि चीन हमारी मीलों मील जमीन पर कब्जा कर रहा है, हमें लगातार पीछे धकिया रहा है, हमारे नये-नये इलाके हथिया रहा है।’ झल्लन बोला, ‘ददाजू, आप बेगैरत विपक्ष की थोथी-झूठी, भारत विरोधी बातों पर ध्यान दोगे या हमारे महान देश के महान नेतृत्व की महान बातों का संज्ञान लोगे।’
हमने कहा, ‘झल्लन, हवा में उड़ान भरना अलग बात होती है और हकीकत से मुठभेड़ करना अलग बात होती है। जो सच्चाई पर परदा डालने की कोशिश करते हैं वे ही देश का बहुत बड़ा नुकसान करते हैं।’ झल्लन बोला, ‘ददाजू, आप चीन के पक्षकार हो या भारत के पक्षकार हो, हमें तो लगता है कि सारे विपक्षियों की तरह आप भी इस मुल्क के गद्दार हो। हम आपकी तरह नहीं हैं जो चीन से डर जाएंगे और सच्चाई के पीछे जाकर छिप जाएंगे। चीन चाहे जितना ताकतवर हो वह हमारी दहाड़ से मर जाएगा और जिस पहाड़ पर चढ़ा बैठा है वहीं से गिर जाएगा।’ हमने कहा, ‘तू ये आयं-बांय क्या कह रहा है, किस दहाड़ की बात कर रहा है, हमें तो कहीं सुनाई नहीं दे रही, हमारी चेतना तो किसी दहाड़ का संज्ञान नहीं ले रही।’
झल्लन बोला, ‘ददाजू, हमारा पूरा मीडिया दहाड़ रहा है, हमारा हर एंकर चिंघाड़ रहा है, चीन को चेतावनी के साथ-साथ चुनौती उछाल रहा है, अपने न्यूजरूम में बैठे-बैठे चीन की खबर ले रहा है। वह वाक्शक्ति के जो बम-गोली-मिसाइल दाग रहा है उसके आगे चीन के सारे तोप-गोले फुस्स हो जाएंगे और हमारा मीडिया ऐसी ही बहादुरी दिखाता रहा तो अगले चार दिन में हम बीजिंग पर तिरंगा लहराएंगे।’

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

जूडो सीबीएसई चैंपियन शिप नॉर्थ जोन का आयोजन, जिले के दो बच्चों ने जिले का नाम किया रोशन

Faridabad/Alive News

जूडो सीबीएसई चैंपियन शिप नॉर्थ जोन का आयोजन सोनीपत में किया गया जिसमें हरियाणा, पंजाब, जम्मू और कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश की टीमों ने हिस्सा लिया। रावल इंटरनेशनल स्कूल से कुनाल ने अंडर-19 +80 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कियामवहीं दूसरी तरफ फरीदाबाद की सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा चेष्टा ने अंडर-17 +70 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। फरीदाबाद शहर और अपने विद्यालयों का नाम रोशन किया।

अग्रवाल स्कूल में नि :शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

सेक्टर-3 के अग्रवाल पब्लिक स्कूल प्रांगण में रविवार को समाजसेवी हेमलता की दूसरी पुण्य तिथि पर निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन हेमलता के परिजनों की ओर से किया गया जिसमें 361 लोगों ने अपनी-अपनी ऑखों की जांच कराई। इस दौरान 175 लोगों को चश्मे तथा 160 लोगो को मुफ्त दवाई वितरित की गई। शिविर में ऑपरेशन के लिए 52 का चयन किया गया तथा 14 लोगों का ऑपरेशन भी किया गया।

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में डेटा और ट्रांसफर कार्यों की जटिलता पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

Faridabad/Alive News

सोमवार को जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने डेटा और ट्रांसफर कार्यों में जटिलता पर एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया। विशेषज्ञ व्याख्यान जोहान्स केपलर विश्वविद्यालय, लिंज़ ऑस्ट्रिया के प्रो. मिलन स्टेहिलक द्वारा दिया गया। प्रो. स्टेहिलक ने विश्वविद्यालय के साइंस ब्लॉक का भी दौरा किया और विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। सत्र में जीजेयूएसटी, हिसार के मानद प्रोफेसर डी.एस हुड्डा मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग और विभाग की चेयरपर्सन डॉ. नीतू गुप्ता ने की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई, उसके बाद सरस्वती वंदना और विश्वविद्यालय का कुलगीत गाया गया। कुलसचिव डॉ. गर्ग ने आमंत्रित वक्ताओं का स्वागत किया। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. हुड्डा ने छात्रों को पढ़ने और समस्याओं के हल द्वारा गणित सीखने को लेकर प्रेरित किया। अपने विशेषज्ञ व्याख्यान में, प्रो. स्टीहिलक ने विभिन्न प्रकार के हस्तांतरण कार्यों और संभाव्यता, सांख्यिकी, बायोमैथमैटिक्स, भौतिकी और इंजीनियरिंग में इसके उपयोग का वर्णन किया।

प्रशिक्षण शिविर में आत्मरक्षा के गुर सीखेंगी किशोरियां

Faridabad/Alive News

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 12 से 16 दिसम्बर तक सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर में अनुसूचित जातियों की किशोरियों के लिए लिंग संवेदीकरण के अंतर्गत आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान किशोरियों को जागरूक किया जाएगा। सोमवार को जिला कार्यक्रम अधिकारी मिनाक्षी चौधरी द्वारा प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। सीनियर सिटीजन सेल एंड कम्युनिटी पुलिसिंग एवं सेल्फ डिफेन्स ट्रेनर इंस्पेक्टर सविता द्वारा लगभग 20 किशोरियों को प्रशिक्षित किया गया। आगामी 16 दिसंबर 2022 तक प्रतिदिन विभाग के अलग-अलग खंड की 20 किशोरियों को प्रशिक्षण दिया जायगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य में महिलाओं एंव किशोरियों के प्रति बढ़ती हुई अपराधिक घटनाओं को देखते हुए आत्मरक्षा के लिए महिलाओं एंव किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए किया जा रहा है।

पार्क एलीट प्रीमियम सोसाइटी में अवनींद्र दत्त तिवारी को एक बार फिर चुना आरडब्ल्यूए प्रधान

Faridabad/Alive News

रविवार को पार्क एलीट प्रीमियम सोसाइटी में आरडब्ल्यूए चुनाव का आयोजन किया गया। सोसाइटी के लोगों ने विश्वास जताते हुए एक बार फिर अवनींद्र दत्त तिवारी को आरडब्ल्यूए प्रधान चुना है। प्रधान चुने जाने पर अवनींद्र दत्त तिवारी ने सोसाइटी के लोगों का आभार व्यक्त किया है। वहीं सोसाइटी के लोगों ने ज्योति तनेजा को उपप्रधान, मान सिंह चौहान को महासचिव, रेनू अग्रवाल को सहायक महासचिव, हरदीप सिंह और संदीप कुमार को कोषाध्यक्ष व विकास वर्मा, अंशुमन द्विवेदी, जया माथुर, जसविंदर पाल सिंह, रुपेश बघेल, दीपक कौल को कार्यकारी पदाधिकारी के रूप में चुना है। नवनिर्वाचित आरडब्लयूए प्रधान अवनींद्र तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने सोसाइटी के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सोसाइटी के लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे और उनका समाधान कराएंगे। इस दौरान रविंद्र कुमार, इन्दर पाल सिंह, सुरेंद्र कौशिक, अमित सक्सेना, सुमित गौर ,चंद्र चड्ढा सहित अन्य मौजूद रहे।

प्याली- हार्डवेयर सड़क निर्माण की मांग को लेकर युवाओं ने निकाला अर्धनग्न पैदल मार्च

Faridabad/Alive News

प्याली-हार्डवेयर रोड को बनाने की मांग को लेकर और रोड पर हुए हादसों में लोगो की मौत मामले में दोषी नगर निगम अधिकारियों और ठेकेदार सहित ऑटो चालक पर कार्यवाही की मांग को लेकर युवा अनशनकारी अभिषेक गोस्वामी ने आज डबुआ चौक से लेकर परिवहन मंत्री पं.मूलचंद शर्मा के कार्यालय सैक्टर-8 तक पैदल मार्च निकाल कर अर्धनग्न प्रदर्शन कर परिवहन मंत्री पं.मूलचंद शर्मा के नाम ज्ञापन उनके पीआरओ जोगेन्द्र रावत को सौंपा।

गौरतलब है कि लगातार प्याली-हार्डवेयर खूनी सड़क के निर्माण की मांग को लेकर वर्ष 2018 में 13 दिन तथा वर्ष 2021 में 36 दिनों के धरने के बाद केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, परिवहन मंत्री पं.मूलचंद शर्मा ने सडक़ निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। 20 माह बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण पूरा नहीं हो सका। बार-बार ठेकेदार सड़क निर्माण में देरी कर रहा है, लेकिन अभी तक निर्माण अधर में लटका हुआ है।

ज्ञापन में अभिषेक गोस्वामी ने कहा कि 10-12 वर्षों के लंबे अंतराल में अब तक इस रोड पर दर्जनों भयंकर एक्सीडेंट हो चुके हैं। जिसमें कई लोगों के हाथ-पैर चले गए तो कईयों को गंभीर चोटें आई हैं और अब तक इस रोड पर तीन मौतें हो चुकी है। जिसमें 7.8 वर्ष पहले दीपक नामक नाबालिक बच्चे 21 सितंबर 2020 को सचिन नाम के इंजीनियर जोकि जनता कॉलोनी का निवासी था।

अब 20 नवंबर 2022 को डबुआ कॉलोनी निवासी एक वृद्ध परीक्षित जोकि पूजा कर अपने घर बाइक पर वापस लौट कर आ रहे थे। रोड़ के एकतरफा अधूरे पड़े निर्माण के कारण आमने-सामने की ऑटो और बाइक की टक्कर में अपने प्राण गवा चुके हैं। बड़े दुख की बात है कि परीक्षित स्वयन ने कुछ वर्ष पूर्व अपने एक नाबालिग पुत्र दीपक को भी इसी रोड़ पर खो दिया।

गोस्वामी ने परिवहन मंत्री होने के नाते फरीदाबाद शहर की में दौड़ रहे ऑटो जिनमें से 80 प्रतिशत रोड पर चलने की स्थिति में नहीं है या ऑटो चालको पर लाइसेंस नही है, उनके खिलाफ ट्रैफिक पुलिस द्वारा चिह्नित कर उपयुक्त कार्यवाही की जाए।

आटो पर ड्राइवर का नाम, लाइसेंस नंबर आदि लिखवाने का पुलिस विभाग को निर्देश दे और फरीदाबाद शहर में ऑटो चालको पर सख्ती से ड्रेस कोड लागू किया जाए, ताकि दुर्घटनाओ मे कमी आये और महिलाएं रात्रि समय में भी निडर होकर सफर कर सके और दोबारा से रोड पर परिक्षित स्वयंन जैसे वृद्ध एक तरफा बनी रोड पर तेज रफ्तार के कारण और ऑटोचालकों की लापरवाही से अपनी जान न गवा सके।

हरियाणा में गोद लिए गांवो के आए अच्छे दिन

Chandigarh/Alive News

देर आए दुरुस्त आए÷ यह कहावत हरियाणा सरकार पर बिल्कुल सटीक बैठती है। सालों बीतने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को ग्राम संरक्षक योजना के तहत गोद लिए गांवों की याद आई हैं और अब मुख्यमंत्री ने इन गावों की मॉनिटरिंग कराना चाहते है। इसके लिए अलग से सीएमओ में एक सेल बनाया गया है। इसमें क्लास वन ऑफिसर की तैनाती की जा रही है। इसके अलावा सीएम मनोहर लाल खुद इसकी समीक्षा करेंगे।

2021 में हुई थी ग्राम संरक्षक योजना की शुरूआत

बता दें, कि हरियाणा में ग्राम संरक्षक योजना की शुरुआत 2021 में हरियाणा के सीएम कर चुके हैं। इस योजना के तहत राज्य के ग्रुप वन ऑफिसर्स को एक-एक गांव को गोद लिया गया है। यह अधिकारी ग्राम पंचायत के सामाजिक- आर्थिक विकास के सुझावों पर एक रिपोर्ट भी तैयार कर सीएमओ को दे रहे हैं। योजना के लिए मानव संसाधन विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

नोडल अधिकारी कर रहे समीक्षा

जिला स्तर पर ग्राम संरक्षक कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त को बनाया गया है।

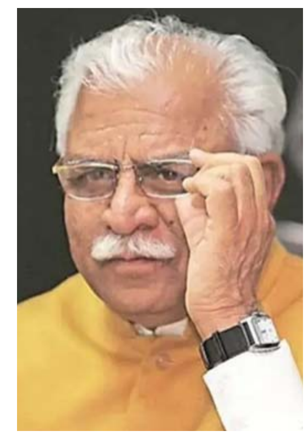

सभी 22 जिलों में प्रशासनिक सचिव स्तर के अधिकारी को भी नोडल अधिकारी बनाया गया है। ये अधिकारी समय-समय पर सभी गतिविधियों की समीक्षा कर रहे हैं तथा जो भी समस्याएं आ रही हैं उनका समाधान करेंगे। लगभग एक साल बाद सीएम योजना की समीक्षा करने का फैसला किया है।

चंदावली फ्लाईओवर संघर्ष समिति ने विधायक नैनपाल रावत का पुतला फूंका

Faridabad/Alive News

चंदावली फ्लाईओवर संघर्ष समिति का धरना 22वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान धरने की अध्यक्षता देवीराम चहल ने की और पृथला के विधायक नैनपाल रावत का पुतला फूंका।

इसके अलावा चंदावली फ्लाईओवर संघर्ष समिति संघर्ष नैनपाल रावत के पुतले को लेकर पैदल मार्च करते हुए नैनपाल रावत के ऑफिस आईएमटी पर पहुंचे और पुतला फूंका। पुतला दहन करते समय किशन सिंह चहल और विधायक का घेराव करते समय ईश्वर लांबा ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक और अधिकारियों को ज्ञापन दिया है,

लेकिन अभी तक चंदावली बाईपास पर फ्लाईओवर की मांग पूरी नहीं हुई और अभी तक कोई भी जनप्रतिनिधि हमारे धरने पर नहीं आया है यहां तक कि पृथला विधायक नैनपाल रावत भी अभी तक धरने पर नहीं पहुंचे हैं और धरने को लेकर उल्टी-सीधी बयानबाजी कर रहे हैं। जिससे कि पूरे इलाके में विधायक के प्रति भारी रोष है।

इस मौके पर गजना लांबा, अनिता चौधरी, प्रमोद नंबरदार, राजू बैसला, ईश्वर लंबा, राजेश शर्मा, महेंद्र गुप्ता, प्रमोद नगर, रणवीर सिंह, किशन सिंह चहल, धर्मवीर धनकड़, जितेंद्र राणा, बलजीत चौधरी, गोपाल शर्मा, विक्की कौशिक, मूलचंद यादव, संजू, सतवीर सिंह, मास्टर विजयपाल, कुलदीप यादव, दीपक आज़ाद, संदीप कपासिया, रिंकू, राजकुमार सैनी, सतपाल नरवत, डी के शर्मा मौजूद, राजेंद्र बड़गुज़ार, गिरिराज नंबरदार, जयपाल, मौजूद रहे।

मानव रचना यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय रोजगार पुरस्कार 2023 से सम्मानित

Faridabad/Alive News

मानव रचना यूनिवर्सिटी और मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज को अग्रणी ग्लोबल जॉब स्किल्स क्रेडेंशियल एजेंसी एस्पायरिंग माइंड्स-एसएचएल द्वारा राष्ट्रीय रोजगार पुरस्कार 2023 प्रदान किया गया है। एमआरयू और एमआरआईआईआरएस दोनों भारत के शीर्ष 10 प्रतिशत तकनीकी संस्थानों में से हैं, जो रोजगार परीक्षा में अपने छात्रों के अंकों के आधार पर आगे बढ़ते हैं। मानव रचना के बी.टेक और एमसीए के छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया।

करियर डेवलपमेंट सेंटर मानव रचना शैक्षणिक संस्थान (एमआरईआई) ने पुरस्कार प्राप्त किया है। पुरस्कार एक मानकीकृत परीक्षा में अंतिम वर्ष के छात्रों के वास्तविक प्रदर्शन पर आधारित है। एक कंप्यूटर अनुकूली परीक्षण है जो संचार कौशल, तार्किक तर्क, मात्रात्मक कौशल और नौकरी-विशिष्ट डोमेन कौशल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नौकरी के आवेदकों का परीक्षण करता है, इस प्रकार भर्तीकर्ताओं को उम्मीदवारों की उपयुक्तता की पहचान करने में मदद करता है। डॉ. प्रदीप कुमार, पीवीसी एमआरआईआईआरएस ने कहा कि यह पुरस्कार मानव रचना की उत्कृष्ट अकादमिक डिलीवरी और करियर डेवलपमेंट सेंटर द्वारा आयोजित नियमित व्यक्तित्व विकास और कौशल विकास प्रशिक्षण का प्रमाण है। छात्रों को विभिन्न सत्रों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत के माध्यम से नए युग की कैरियर आवश्यकताओं से अवगत कराया जाता है, जिसमें वे प्रासंगिक रोजगार योग्य कौशल प्राप्त करते हैं और इंडस्ट्री के लिए तैयार होते हैं।

ठंड न बढ़ने से किसानों की बढ़ी चिंता, फसल हो रही प्रभावित

Faridabad/Alive News

दिसंबर महीने के 10 दिन बीतने के बाद भी ठंड न बढ़ने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीर दिखने लगी हैं। भूपानी और फतेहपुर बिल्लौच के किसानों ने बताया कि कम तापमान रबी की फसलों के लिए काफी फायदेमंद रहता है, लेकिन अब की बार स्थिति पहले की बजाय बिल्कुल विपरीत है। मौसम में ठंड कम होने व धुंध न पड़ने की वजह से फसलों को काफी नुकसान हो रहा है। सरसों और गेहूं की फसल को इस समय ज्यादा ठंड की जरूरत होती है। तापमान में गिरावट की बजाय शनिवार को यह 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 8 पर आ गया। अधिकतम तापमान भी लगातार 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा है। दरअसल, दिन के समय मौसम का मिजाज गर्म रहता है। रात

के समय भी दिसंबर में पड़ने वाली ठंड अपना रंग नहीं दिखा पा रही है। पिछले दिसंबर के मुकाबले इस बार ठंड अपने पूरे यौवन पर नहीं आ पाई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक मौसम में ज्यादा बदलाव आने की संभावना नहीं है। अभी तक कोहरा भी गिरना शुरू नहीं हुआ है। यह किसानों के लिए चिंता का विषय है।

दोपहर में हो रही गर्मी

दिन का तापमान अभी भी ज्यादा चल रहा है। दिन के तापमान में कमी आने के बाद ही असली ठंड का अहसास हो सकेगा। दिसंबर माह के दूसरे पखवाड़े में अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला जाता है, जिससे कड़ाके की ठंड का अहसास होता है। अभी तक यह 25 डिग्री से नीचे तक भी नहीं आया है, जिस कारण दोपहर के समय गर्मी का अहसास होने लगता है।

क्या कहना है किसानों का

गेहूं और सरसों की फसल किसानों के लिए काफी मायने रखती है। इस फसल से प्राप्त पैसों से उनका घर-परिवार चलता है। पूरे परिवार की आमदनी गेहूं- सरसों की फसल पर निर्भर करती है। ऐसे में अगर फसल खराब हो जाए तो किसानों की तो कमर टूट जाती है।

रामपाल किसान, भूपानी।

अगर, सर्द मौसम में बारिश हो जाए तो किसान की फसलों की उत्पादन क्षमता में काफी बढ़ोतरी हो जाती है, लेकिन अब की बार ठंड न पड़ने से फसलों को पानी नही मिल पा रहा, जिसके कारण उनकी उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है और इसका प्रतिकुल प्रभाव न केवल फसलों पर पड़ेगा, अपितु किसान के जीवन को भी पूरी तरह से प्रभावित करेगा।

रोहित किसान, फतेहपुर बिल्लौच।

सरकार विभिन्न प्रकार की योजना चलाकर महिलाओं को बना रही आत्मनिर्भर-उपायुक्त

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओ को सशक्त स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिनके माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता से लेकर स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता प्रदान की जाती है। डीसी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिरण की दिशा में हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ महिलाओं को केवल तभी प्रदान किया जाएगा। जब उनकी पारिवारिक आय 5 लाख या फिर इससे कम हो। उन्होंने बताया कि महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वह पूर्व के किसी ऋण मामले में डिफाल्टर नही होनी चाहिए। महिला का हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य है। यह योजना महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहद कारगर सिद्ध होगी और उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। डीसी ने आगे बताया की योजना के माध्यम से महिलाओं को 3 लाख तक का ऋण 7 प्रतिशत ब्याज दर की छूट पर उपलब्ध करवाया जाता है। इस ऋण के माध्यम से महिलायें स्वरोजगार स्थापित करके दूसरे नागरिकों को भी रोजग़ार प्रदान कर सकेंगी।

185 स्कूलों में शौचालय और 54 में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं, राज्यसभा में उठा मुद्दा

Chandigarh/Alive News

राज्यसभा में हरियाणा के स्कूलों में शौचालय की समस्या का मुद्दा उठा है। सांसद ने राज्यसभा में हरियाणा के स्कूलों की इस स्थिति पर सवाल किया था। इस सवाल पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने जो रिपोट दी है, उसमें यह स्पष्ट हुआ है कि हरियाणा के स्कूलों में छात्र-छात्राएं शौचालय की समस्या से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में 185 ऐसे स्कूल बताए गए हैं, जहां शौचालय तक नहीं है और 907 स्कूलों में अभी तक लड़के-लड़कियों के लिए अलग शौचालय की बजाय एक श्रेणी के शौचालय हैं। देशभर में शौचालयों को लेकर गंभीर केंद्र सरकार ने स्कूलों में इस तरह के हालात पर कड़ी नाराजगी जताई है। बता दें कि 2019-2020 से 2021-2022 के दौरान समग्र शिक्षा अभियान के तहत पूरे देश में 53,323 शौचालय बनाए गए हैं, जबकि 1344 की रिपेयर

की गई है। इसके बावजूद हरियाणा जैसे सूबे के स्कूलों में इस तरह की दयनीय स्थिति सामने आई है। जानकारी के मुताबिक प्रस्तुत रिपोर्ट में शौचालयों के साथ पेयजल की स्थिति भी स्पष्ट की गई है। इसके अनुसार हरियाणा के 2651 स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की जगह प्रदूषित पानी मिल रहा हैं। वहीं हरियाणा के 54 विद्यालयों पेयजल की सुविधा नहीं। जिला नूंह के 942 सरकारी स्कूलों में 493 स्कूलों में नल का पानी उपलब्ध नहीं है और 29 स्कूलों में पेयजल की सुविधा ही नहीं है।

शिक्षा विभाग जनवरी में आयोजित करेगा ' हरियाणा जानो प्रतियोगिता', चार हजार से अधिक विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

Chandigarh/Alive News

राजकीय व निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को हरियाणा के इतिहास के बारे में जानकारी हो सके। इसको ध्यान में रखकर शिक्षा विभाग हरियाणा जानो प्रतियोगिता का आयोजन कराने जा रहा है। प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व शिक्षक हरियाणा के जिलावाइज, संस्कृति, बॉलीवुड अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया जाएगा।

कक्षा चौथी से 12वीं तक के विधार्थी लेंगे भाग

इसके बाद कक्षा चार से 12वीं तक के विद्यार्थी प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इनके प्रश्न पत्र भी क्लास वाइज अलग-अलग तैयार किए जाने हैं। साथ ही विद्यार्थियों को प्रदेश की संस्कृति के प्रत्येक पहलू की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश के सामान्य ज्ञान से अवगत कराया जाएगा। इसके लिए हरियाणा सरकार जानो प्रतियोगिता का जनवरी में आयोजन करवाएगी।

चार हजार से अधिक विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

जिले के सरकारी व गैर स्कूलों के 4 हजार से अधिक विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इसके जरिए हरियाणवी संस्कृति का प्रसार किया जाएगा। विद्यार्थियों को अपने प्रदेश के सामान्य ज्ञान के बारे बताया जाएगा। हिंदी अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रतियोगिता संपन्न होगी। ओएमआर पैटर्न पर आधारित इस बहुविकल्पीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को 40 मिनट में 50 प्रश्न हल करने होंगे। ओएमआर सीट के दस मिनट का समय दिया जाएगा। बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित हरियाणा को जानो प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को 40 मिनट में 50 प्रश्न हल करने होंगे। यह प्रतियोगिता ओएमआर आंसर पैटर्न पर होगी।

विद्यार्थियों को ओएमआर सीट को भरने के लिए

Department of School Education

अलग से 10 मिनट का समय दिया जाएगा। इस प्रतियोगिता से विद्यार्थियों की नॉलेज बढ़ेगी। हरियाणा सामान्य ज्ञान पर आधारित इस प्रतियोगिता से जहां विद्यार्थी प्रदेश के इतिहास से रुबरु होंगे। वहीं भविष्य में होने वाले कॉम्पिटिशन एग्जाम में उन्हें इसका सीधा लाभ मिलेगा। इससे विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास भी होगा। साथ ही वह हरियाणवी शब्दावली व संस्कृति के प्रत्येक पहलुओं को लेकर नॉलेज बढ़ा सकेंगे।

Haryana News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Ayush and Satyam of Ideal School stood first in the Wars Quiz Contest

Faridabad/Alive News

A Warsquiz contest was organized by "Express Mind" under the guidance of quiz masters at Ideal Public School, Agwanpur. Amit Kamat, Pratibha, Shashank, Komal, Nikhil, Stuti, Ayush, Satyam, Gunanand, MD Hammad Idrisi, Yuvraj, Ritesh from Ideal School participated in this competition. In this quiz competition, Uttam Kumar and Mridul Krishna asked questions to the participants. In which the students, showing their knowledge better, Ayush and Satyam got the first position, Gunanand and Mohammad Idrisi got the second position, Yuvraj and Ritesh got the third position and brought laurels to the school. On this occasion, Chairman of Ideal School Rakesh Bhadana said that this type of competition should be organized from time to time to test the knowledge of the children, by this the students will also know that how much knowledge they have acquired so far. School Principal Rita Khanna congratulated the students

हरियाणा में रोड सेफ्टी नियम सख्त, इस साल सड़क हादसे में 4516 लोगों ने गंवाई जान

Faridabad/Alive News

हरियाणा में रोड सेफ्टी के नियम सख्त होने जा रहे है। अब प्रदेश की किसी भी सड़क पर कट या तोड़ने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। सड़कों को तोड़कर कट बनाने वालों पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। हरियाणा में केंद्र सरकार की एकीकृत सड़क दुर्घटना डाटाबेस योजना लागू हो गई है।

इस साल 9951 सड़क हादसे

हरियाणा में नवंबर 2022 तक 9951 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इनमें 4516 व्यक्तियों की जान गई और 8447 व्यक्ति घायल हुए हैं। हालांकि, हरियाणा में भारत सरकार द्वारा जारी एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आईरैड) परियोजना शुरू हो गई है। इस परियोजना के लिए परिवहन विभाग को नोड़ल विभाग नियुक्त किया गया है।

मार्च तक पूरे होंगे सड़कों के अधूरे कार्य-हरियाणा सरकार की ओर से राज्य की सभी सड़क बनाने वाले एजेंसियों और विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि 31 मार्च 2023 तक रोड सेफ्टी को लेकर सभी अधूरे काम पूरे करने होंगे। इनमें अधूरी सड़कों का काम पूरा करने के साथ ही रोड पर स्पीड ब्रैकर, रंबल स्ट्रिप, साइन बोर्ड, रोड मार्किंग, कैटआईज, डेलिनियटरस और ब्लैक स्पॉट शामिल हैं।

सड़कों हाईवे का होगा इंटरनल ऑडिट

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए परिवहन विभाग के द्वारा सभी जिलों के लिए रोड सेफ्टी एसोसिएटस अनुबंध आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। यह संबंधित जिले में सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी विभागों से समन्वय बनाकर जिले में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में सहायता करेंगें। इसके साथ ही सड़क निर्माण विभाग, एजेंसी के द्वारा अपनी सड़कों-हाईवे का इंटरनल ऑडिट भी किया जाएगा।

अवैध शराब के ठेके होंगे चिह्नित

राज्य की सड़कों व हाईवे पर अवैध शराब के ठेकों को चिह्नित किया जाएगा। इसके लिए सरकार की ओर से आबकारी एवं कराधान विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि सभी विभागों को जिम्मेदारी से काम करना होगा। हरियाणा ने साल 2023 के लिए 20 प्रतिशत दुर्घटनाएं कम करने का लक्ष्य सभी को दिया गया है।

पुलिस ने एसआरएस स्कूल में बच्चा अपहरण मामले की गुत्थी सुलझायी

Faridabad/Alive News

ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एसआरएस स्कूल में बच्चा अपहरण मामले में क्राइम ब्रांच 30 की टीम ने स्कूल स्टाफ से पूछताछ करने के साथ स्कूल की सीसीटीवी फुटेज खंगाले और फुटेज के आधार पर मामले में तीन व्यक्तियों पर शक जताया था। लेकिन जांच में पुलिस ने अपहरण की सूचना को गलत बताया है।

यह था पूरा मामला

दरअसल, यक्षित के पिता गौरव उस दिन किसी काम से बाहर गए हुए थे और उन्होंने अपने दोस्त अनुराग को उनके बेटे को स्कूल से लेकर आने के लिए कहा था। लेकिन काम में व्यस्त होने के कारण अनुराग ने अपने साथी यस और रोहित को गौरव के बेटे यक्षित को स्कूल से लेकर आने के लिए भेज दिया और स्कूल प्रबंधक को इसकी जानकारी देना भूल गया। यस और रोहित स्कूल में गौरव के बेटे को लेने गए और उन्होंने स्कूल में जाकर स्कूल टीचर को यक्षित को लाने के लिए कहा। जिसके बाद स्कूल टीचर ने अक्षित को भेजने से पहले अक्षित के माता-पिता को फोन करके पूछा तो अक्षित के माता-पिता ने मना कर दिया। जिसके बाद अक्षित के पिता को शक हुआ कि कोई उनके बेटे का अपहरण करने आया था। जिसके पश्चात उन्होंने पुलिस में इसकी शिकायत दी और थाने में अपहरण की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू की गई।

एचईआरसी ने दिए निर्देश, बीपीटीपी बिल्डर को 1 माह में चुकानी होगी बैंक गारंटी, मामले पर 15 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

Chandigarh/Alive News

हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग गुरुग्राम (एचईआरसी) ने बीपीटीपी बिल्डर को प्लॉटिड सोसाइटियो में बिजली की समस्या को दूर करने को लेकर 1 माह के भीतर बैंक गारंटी चुकाने के निर्देश दिए हैं। इसको लेकर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से भी आयोग में जवाब मांगा है। जवाब में बिजली निगम के एक्शन में कहां है कि? सेटेलाइट वेब आधारित बिलिंग का कार्य जारी है। दरअसल इलाके में बिजली की कमी को लेकर आयोग में शिकायत की गई थी कि ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर 75 से लेकर 89 में बिजली लोड कम होने के कारण लोग घंटों बिजली कटौती की समस्या से जूझ रहे हैं शिकायतकर्ता ने संबंधित मामले को लेकर 2020 में बिजली उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच में शिकायत की थी शिकायतकर्ता का कहना था कि ग्रेटर फरीदाबाद की सोसाइटी में गर्मी के समय 10 से 12 घंटे की बिजली कटौती झेलनी पड़ती है वही बीपीटीपी बिल्डर ने लोड बढ़ाने के नाम पर सोसायटी वासियों से पैसे वसूल कर लिए हैं बावजूद इसके अब तक कोई सुविधा सोसायटी वासियों को नहीं मिली है। इसके अलावा शिकायतकर्ता उमेश प्रभाकर का कहना है कि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग में फरवरी 2022 में केस डाला था जिस पर आयोग ने 8 सितंबर को सुनवाई कर 2 हफ्तों में बिल्डर को बैंक गारंटी जमा कराकर लोगों को उनकी मांग के मुताबिक बिजली उपलब्ध कराने के आदेश दिए थे। जिसका बिल्डर ने अब तक पालन नहीं किया है। बिल्डर द्वारा आयोग के आदेशों का पालन ना करने के बाद लोग फिर एक बार हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग गुरु ग्राम पहुंचे जिसके बाद 12 दिसंबर को आयोग ने नोटिस जारी किया है और 15 फरवरी 2023 में आयोग द्वारा इस मामले पर फिर सुनवाई की जाएगी। वही ग्राम वासियों का कहना है कि 18 हजार से अधिक की आबादी पर बिल्डर द्वारा फिलहाल 10 एमवीए की बिजली सप्लाई की जा रही है जबकि मांग यहां पर 176 एमवीए की है।

Jatin Chaudhary wins medal in National Shooting

Faridabad/Alive News

Jatin Chaudhary, a student of MA (English) of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has made the University proud by winning medals in the 65th National Shooting Championship held recently in Bhopal. Jatin Chaudhary, a student of MA (English) of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has made the University proud by winning medals in the 65th National Shooting Championship held recently in Bhopal. Jatin has won Silver Medal (Individual) in the Senior Category of the 50-meter Free Pistol event and Bronze Medal (Team) in the Senior Category 10-meter Air Pistol event.

Jatin, who is a resident of Faridabad and originally hails from Hisar district, represented Haryana in the National Championship. He was selected for the State team on the basis of his excellent performance record. Vice Chancellor Prof. S.K. Tomar and Registrar Dr. S.K. Garg congratulated Jatin for his achievement and appreciated his performance for bringing laurels to the university in sports. Chairperson of the Department Prof. Dr Atul Mishra also appreciated the commendable achievement of Jatin.

Jatin missed the gold in 50-meter Free Pistol by hair's breadth as he scored 551 out of 600 while the gold mark was 552 out of 600. Jatin asserted that he has set a target of winning gold in both the categories in the future competition.

JC Bose University Celebrated richness and diversity of country's culture, ethnicities

Faridabad/Alive News

To celebrate the richness and diversity of cultures and ethnicities of the Country, the office of Student Welfare of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, organized the 'AURA – The Ethnic Day' event. This is the first time when such a program is organized in the University campus.

Nearly one hour of the extravaganza was spectacular and glittering showbiz ended with a traditional show of multicultural strength. A number of faculty, staff, and students of the University actively participated in the celebration which was coordinated by Deputy Dean Student Welfare Dr. Shilpa Sethi and managed by the members of the Student Council of the University.

Dean Student Welfare Prof. Lakhwinder Singh said that ethnic day is a day of celebration for the diversity of cultures and ethnicities. It enables the young generation to revive love and respect for the diverse cultures, ethnic, and religions of the country. In an era of modernization, the celebration of such special days gives a feeling of respect toward our culture along with other cultures, he added.

भारत जोड़ो यात्रा का रूट निर्धारित, एनआईटी दशहरा ग्राउंड से गुजरेंगे राहुल गांधी

Faridabad/Alive News

वीरवार को भारत जोड़ो यात्रा को लेकर सेक्टर-16 स्थित सर्किट हाउस में यात्रा के संयोजक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय प्रताप द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भारत जोड़ो यात्रा की रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई तथा अन्य सदस्यों से विचार विमर्श किए गए।

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर मीटिंग करते हुए विजय प्रताप सहित अन्य कांग्रेसी नेता-इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप ने भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि यह भारत जोड़ो यात्रा ऐतिहासिक यात्रा होगी। जो पूरे भारतवर्ष को एक नई रूपरेखा देगी। यात्रा सुबह 6 बजे सोहना- फरीदाबाद रोड से राहुल गांधी को रिसीव किया जाएगा। उसके बाद पाखल गांव में दोपहर को लंच ब्रेक किया जाएगा। दोपहर 3 बजे पाली गांव से दोबारा यात्रा आरंभ की जाएगी और एनआईटी दशहरा ग्राउंड से होते हुए नीलम फ्लाईओवर मथुरा रोड होते हुए जाएगी। उसके पश्चात मेवला मोड़ से पहले और बडख़ल फ्लाईओवर के बीच में जनसभा का आयोजन किया जाएगा। मेवला मोड़ के आसपास राहुल गांधी रुकेंगे। सुबह 6 बजे उनके साथ मिलकर राजघाट तक यात्रा करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से विधायक नीरज शर्मा, शारदा राठौर , योगेश गौड़, बलजीत कौशिक, योगेश ढींगड़ा, गौरव ढींगड़ा, सुमित गौड़, जगन डागर, रिंकू चंदीला, अभिलाष नागर, नीरज गुप्ता ,तरुण तेवतिया, गिरीश भारद्वाज, नितिन सिंगला, गंजना लाम्बा, सुनीता फागना, मोहित सैनी, संदीप भाटी, मनोज अग्रवाल, जितेन्द्र भड़ाना, डा सौरभ शर्मा, अशोक रावल, संजय सोलंकी, मनीष पांडे, राजेश आर्य ,अनीष पाल, राजेश आर्य ,सोहेल सैफी ,इशांत कथूरिया,राहुल सरदाना ,कृष्ण अत्री, रेनू चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

परीक्षा में फेल होने के डर से 13,089 छात्रों ने की आत्महत्या

Chandigarh/Alive News

कोचिंग का हब कहा जाने वाला राजस्थान के कोटा शहर में 2021 में सबसे ज्यादा मेडिसिन या इंजीनियरिंग में अपना करियर बनाने की चाह रखने वाले विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है। ध्यान देने वाली बात यह है कि ये एक दो मामले नहीं है बल्कि यह एक बड़ी समस्या है। देश भर से ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां युवाओं ने अकादमिक करियर में उत्कृष्टता हासिल करने की इच्छा रखते हुए विभिन्न कारणों से हार मान ली और आत्म हत्या कर ली है।

एनसीआरबी द्वारा जारी आत्महत्या के आंकड़ों को लेकर बताया कि हाल के वर्षों में छात्रों की आत्महत्या की घटनाओं में वृद्धि हुई है। छात्रों द्वारा आत्महत्या के 13,089 मामलों के साथ नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 2020 की तुलना में 2021 में इसकी संख्या में लगभग 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उनमें से लगभग आधे पांच राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और ओडिशा से हैं। आंकड़ों के अनुसार छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं में से 14.0 प्रतिशत (1,834) महाराष्ट्र में, मध्य प्रदेश में 10.0 प्रतिशत (1,308), तमिलनाडु में 9.5 प्रतिशत (1,246) और कर्नाटक में 6.5 (855)प्रतिशत दर्ज की गई है।

रिपोर्ट में आत्महत्या के पीछे किसी विशेष कारण का जिक्र नहीं है, लेकिन इसमें कहा गया है कि 'परीक्षा में असफलता' एक कारण है जो कि एक बड़ी समस्या बनता दिख रहा है। 8 सितंबर को 22 वर्षीय मेडिकल की छात्रा ने एक टावर की उन्नीसवीं मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली क्योंकि वह राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा को पास नहीं कर पाई थी। यह घटना ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 151 में जेपी अमन सोसाइटी की है।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लड़की अपनी नीट के परिणाम से नाखुश थी। इसी तरह की एक घटना में चेन्नई की एक 19 वर्षीय लड़की ने कथित तौर पर तमिलनाडु के अंबत्तूर में नीट परीक्षा में असफल होने के बाद आत्महत्या कर ली। रिजल्ट घोषित होने के कुछ घंटे बाद ही छात्रा ने यह कदम उठाया। 30 जून को नीट में फेल होने के डर से एक मेडिकल उम्मीदवार ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। तमिलनाडु की 19 वर्षीय युवती मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। इसी तरह 30 अप्रैल को मध्य प्रदेश के बालाघाट और टीकमगढ़ जिलों में 17 वर्षीय दो लड़कियों ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में असफल होने के बाद आत्महत्या कर ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार सरकार और यूजीसी ने छात्रों के उत्पीड़न और भेदभाव की घटनाओं की जांच के लिए कई पहल की है। छात्रों के हितों की रक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2019 तैयार किया गया है।

एचटेट 2022 का परीक्षा परिणाम घोषित, बोर्ड की वेबसाइट पर अभ्यार्थी देख सकते है अपना रिजल्ट

Faridabad/Alive News

तीन और चार दिसंबर को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा पूरे प्रदेश में आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) 2022 का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। इस परीक्षा में लेवल-1 (पीआरटी) के कुल 15.83 प्रतिशत, लेवल-2 (पीआरटी) के कुल 16.46 प्रतिशत एवं लेवल-3 के कुल 09.85 प्रतिशत अभ्यर्थी पास हुए हैं। लेवल-1 की परीक्षा में कुल 50,549 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए, जिनमें 14,482 पुरुषों में से 2,614 एवं 36,066 महिलाओं में से 5,389 पास हुईं। पुरुष अभ्यर्थियों का पास प्रतिशत 18.05 एवं महिलाओं अभ्यर्थियों का 14.94 प्रतिशत रहा। लेवल-2 की परीक्षा में कुल 1,27,969 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए, जिनमें 35,491 पुरुषों में से 7,394 एवं 92,475 महिलाओं में से 13,668 पास हुईं। उन्होंने बताया कि पुरुष अभ्यर्थियों का पास प्रतिशत 20.83 एवं महिलाओं अभ्यर्थियों का 14.78 प्रतिशत रहा। इसके अलावा लेवल-3 की परीक्षा में कुल 82,871 अभ्यर्थी प्रविष्ट हुए, जिनमें 23,328 पुरुषों में से 2,403 एवं 59,542 महिलाओं में से 5,759 पास हुईं। उन्होंने बताया कि पुरुष अभ्यर्थियों का पास प्रतिशत 10.30 एवं महिलाओं अभ्यर्थियों का 9.67 प्रतिशत रहा। परिणाम को अपलोड करने या किसी अन्य प्रकार की तकनीकी त्रुटि होने की अवस्था में बोर्ड को यह परिणाम वापस लेने का पूर्ण अधिकार होगा। परीक्षा परिणाम बोर्ड की वेबसाइट www.bseh.org.in पर अपलोड कर दिया गया है।

आइडियल स्कूल में इग्नू के विद्यार्थियों ने दी स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षा

Faridabad/Alive News

शिव दुर्गा विहार स्थित आइडियल पब्लिक स्कूल में वृस्पतिवार को स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान अलग-अलग विषयों के करीब 500 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। स्कूल में 9 जनवरी तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

स्कूल की डायरेक्टर सुदेश भड़ाना ने बताया कि 10 दिसंबर से 9 जनवरी तक इंदिरा गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी से स्नातक और स्नातकोत्तर करने वाले बीसीए बीटीएस सहित अन्य विषयों की परीक्षा आयोजित की जा रही है। स्कूल की तरफ से बच्चों को सभी सुविधाएं दी जा रही हैं। पेपर में कोई भी नकल ना कर सके इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कक्षाओं में प्रवेश से पहले विद्यार्थियों का कक्षा में प्रवेश से पहले परीक्षार्थियों का एडमिट कार्ड ठीक से जांचा जा रहा है।सुरेश भड़ाना ने बताया कि स्कूल में 500 के करीब एक दिन में परीक्षा देते हैं।

सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से होगी वसूली, गृह विभाग ने अधिसूचित किए नियम

Chandigarh/Alive News

हरियाणा में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति की वसूली का रास्ता साफ हो गया है। प्रदेश सरकार ने वसूली के लिए नियम अधिसूचित कर दिया हैं। संपत्ति क्षति वसूली नियम, 2022 के तहत दंगाइयों, उपद्रवयिों से वसूली की जा सकेगी। हर्जाना राशि न देने पर कानून में संपत्ति कुर्क करने का प्रावधान भी किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को साठ दिन के भीतर अपनी प्रथम रिपोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश करनी होगी। रिपोर्ट मिलने पर मजिस्ट्रेट अगले 30 दिन में लोगों से दावे मांगने के लिए नोटिस जारी करेंगे। मुआवजे का दावा पीड़ित व्यक्ति स्वयं या कानूनी प्रतिनिधि के जरिये मजिस्ट्रेट के समक्ष कर सकता है। दावे पर स्वतंत्र मूल्यांकन अभिकरण सात दिन में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

दावा पेश करने में अगर कोई चूक जाता है तो जिला मजिस्ट्रेट पीड़ित के पर्याप्त कारण बताने पर एक बार 15 दिन के लिए देरी को माफ कर सकते हैं। आवेदक को मुआवजा दावे के आवेदन के साथ पांच सौ रुपये का शुल्क डिमांड ड्राफ्ट या पोस्टल ऑर्डर के जरिये होगा। जिला मजिस्ट्रेट 20 दिन में अपनी रिपोर्ट देंगे। दावे का आकलन करने वाले अभिकरण की भाषा अंग्रेजी में होगी, जबकि आवेदक हिंदी में अपने दस्तावेज दाखिल कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति अभिकरण के समक्ष पेश होने में विफल रहता है तो उसे नोटिस प्रकाशित कर दोबारा बुलाया जाएगा

निजी स्कूल ने दो बच्चों की दिखाई दस लाख रुपए बकाया फीस, हाईकोर्ट ने गंभीर टिप्पणी कर विभाग से मांगा जवाब

Chandigarh/Alive News

भिवानी बोर्ड के एक निजी स्कूल द्वारा दो बच्चों की दस लाख बकाया फीस दिखाए जाने पर मामला हाई कोर्ट पहुंचा है। संबंधित मामले पर संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने सीनियर सेकेंडरी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है इसके अलावा हाईकोर्ट ने इस मामले पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा है कि निजी स्कूल ने बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद प्रमाण पत्र पर विस्तृत अंकतालिका ना ना देकर बहुत अनुचित कार्य किया है। अभी तक स्कूल के खिलाफ न तो कोई कार्रवाई की गई है और ना ही कोई दस्तावेज जारी जारी किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य शिक्षा सहयोग संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बृजपाल सिंह परमार ने बताया कि भिवानी के हालुवास गेट क्षेत्र वासी महिला कृष्णा उनके संगठन के समक्ष शिकायत लेकर आई थी। इसमें उसने बताया था कि भिवानी के एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उसके दो बेटे दसवीं और 12वीं कक्षा में पढ़ते हैं। निजी स्कूल संचालक ने उसके बच्चों के विस्तृत अंक तालिका देने व स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र देने के नाम पर 10 लाख रुपये बकाया फीस दिखा दिया हैं। महिला ने इस संबंध में सीएम विंडो में शिकायत दी है। जिसके बाद विभाग ने उसकी दो स्कूल प्राचार्यो से जांच करवाई

जांच में भी निजी स्कूल द्वारा बच्चों के अभिभावक से 10 लाख रुपये मांगा जाना अनुचित करार दिया था, लेकिन इस जांच के बाद भी शिक्षा विभाग ने न तो बच्चों के दस्तावेज दिलाए न निजी स्कूल के खिलाफ कोई कार्रवाई की। बृजपाल सिंह परमार ने बताया कि पीड़ित

महिला शिकायत लेकर आई तो संगठन के अधिवक्ता अभिनव अग्रवाल के माध्यम से पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका लगाई। जिस पर सुनवाई करते हुए आठ दिसंबर को हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी के साथ शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व निदेशक को नोटिस जारी करते हुए 21 दिसंबर तक मामले में जवाब तलब किया है।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

शहर की तर्ज पर गांव में होगा कूड़े का उठान, छोटी सरकार जारी करेगी एनओसी

Chandigarh/Alive News

हरियाणा के गांवों में भी स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा जाएगा। इसके लिए गांव में शहरों की तर्ज पर कूड़ा उठान किया जाएगा और एनजीटी की गाइड लाइन लागू कर की जाएगी, जिसके तहत एंड टू एंड सॉल्यूशन अनिवार्य हो गया है। इसके साथ ही साफ-सफाई का जिम्मा संभालने वाली कंपनी को गांव की छोटी सरकार से एनओसी जारी करेगी। एनओसी मिलने के बाद ही फॉर्म को भुगतान किया जाएगा।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने बताया कि नौ सूत्रीय कार्यक्रम के तहत गांवों का शहरों की तर्ज पर विकास करवाया जाएगा। पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में आपसी सहमति से जनप्रतिनिधियों का चुनाव करने वाली पंचायतों को लगभग 300 करोड़ रुपए की राशि जारी की जाएगी। सभी जनप्रतिनिधि हर सप्ताह लोगों को साथ लेकर श्रमदान करेगा। साथ ही शहरों की तर्ज पर गांवों में भी कलस्टर बनाकर कूड़ा प्रबंधन का कार्य किया जाएगा।

बबली ने बताया आने वाले 2 साल में मिलकर गांवों में बहुत बड़ा बदलाव करना है। सभी गांवों में श्व-लाइब्रेरी बनाई जाएंगी। जिसमें महिलाएं व युवा बैठकर यूपीएससी तक की तैयारियां कर सकेंगे। गांवों के पुराने पंचायती भवन या समाज द्वारा बनाई गई इमारतों का सौंदर्यीकरण करके मैरिज पैलेस की तर्ज पर विकसित किए जाएंगे। गांव के प्रत्येक चौक चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे।

स्मार्ट सिटी का हिस्सा संत नगर आजकल सीवर ओवरफ्लो की समस्या से बदहाल, आरडब्ल्यूए में रोष

Faridabad/Alive News

मूलभूत सुविधाएं न मिलने से परेशान संत नगर विकास समिति और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने संत नगर स्थित सरकारी स्कूल पर बैठक कर समस्याओं पर चर्चा की। बैठक की अगुवाई आरडब्ल्यूए संत नगर के प्रधान एस. डी यादव और संत नगर विकास समिति के प्रधान ए. आर वर्मा ने की। उन्होने बताया कि संत नगर में इस समय सीवर ओवरफ्लो और बिजली के तारों की समस्या बेहद गंभीर है। सीवर ओवरफ्लो होने के कारण पूरे क्षेत्र की सड़कें तालाब में तब्दील हैं और अब सीवर का गंदा पानी घरों में प्रवेश करने लगा है।

संत नगर की सड़को पर भरा सीवर का गंदा पानी

उन्होंने कहा कि कॉलोनी में जगह जगह बिजली की तारे लटकी हुई है और हादसे को न्यौता दे रही है। हालांकि, वह लोग कई बार इसकी शिकायत विधायक नरेंद्र गुप्ता और स्मार्ट सिटी अधिकारियों को दे चुके हैं लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

दरअसल, संत नगर में सीवर ओवरफ्लो की समस्या पिछ्ले कई सालों से बनी हुई है। सीवर की नियमति सफाई न होने के कारण कॉलोनी के लगभग सभी सीवर जाम पड़े है। जिसके कारण सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहा है और यहां रहने वाले लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। इसके कारण बच्चों को सुबह स्कूल जाते या मुख्य सड़क पर बस पकड़ने में काफी मुश्किल हो रही है। सड़क पर गाड़ियों के गुजरने से पानी की छींटों से उनके कपड़े भी खराब हो रहे हैं।

क्या कहना है लोगों का

विधायक से कई बार इसकी शिकायत की है, लेकिन हर जगह सिर्फ आश्वासन ही मिला। इसके कारण लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। पानी के साथ बहने वाली गंदगी अब सड़को पर जमा होने लगी है। इससे हमेशा तेज बदबू आती रहती है। इससे इलाके में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है।

-प्रदीप वत्स, स्थानीय निवासी।

क्या कहना है आरडब्ल्यूए और विकास समिति के प्रधान का

यदि विधायक और स्मार्ट सिटी अधिकारी जल्द ही हमारी समस्याओं का समाधान नहीं करते तो जिले में नगर निगम चुनाव सर पर हैं। संत नगर के लोग नगर निगम चुनाव का बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन करेंगे और कॉलोनी में वोट मांगने आने बालों को सबक सिखाएंगे।

एस. डी यादव, प्रधान-आरडब्ल्यूए संत नगर।

बैठक में सबकी सर्व सहमति से यह निर्णय लिया गया कि यदि अधिकारी जल्द ही संत नगर की समस्याओं पर संज्ञान नहीं लेते तो संत नगर वासी केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के निवास तक पैदल मार्च निकालेंगे और अपनी समस्या के समाधान की मांग करेंगे।

ए. आर वर्मा, प्रधान-संत नगर विकास समिति।

इस बैठक में आरडब्ल्यू कोषाध्यक्ष राकेश मौर्या, संगठन मंत्री राजेश यादव, मीडिया प्रभारी राकेश अक्कारिया, महासचिव डॉ संजय मलिक, सभापति बाइक कमरुद्दीन, वाइस प्रेसिडेंट राजपाल शर्मा एवं समस्त संत नगर निवासी विकास समिति के प्रधान आसाराम और उनकी टीम मौजूद रहे।

तिलपत राजकीय स्कूल के विद्यार्थियों को नशे के प्रति किया जागरूक

Faridabad/Alive News

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तिलपत में विद्यार्थियों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर एनसीबी टीम के साथ स्कूल प्रिंसिपल पूनम मेहता, शिक्षक शमशेर सिंह राणा बृजेश शर्मा तथा आठवीं से बाहरवीं कक्षा के विद्यार्थी उपस्थित रहे। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा हरियाणा से नशे को खत्म करने के लिए चलाई गई नशा मुक्त हरियाणा- नशा मुक्त भारत मुहिम के तहत एनसीबी की टीम ने तिलपत गांव में स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर वहां पर मौजूद छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभाव तथा दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए इससे बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी। स्कूल प्रिंसिपल पूनम मेहता ने नारकोटिक्स टीम का भव्य स्वागत किया और उन्हें गुलदस्ता भेंट करके जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए आमंत्रित किया। नारकोटिक्स टीम ने समाज को नशे जैसी कुरीतियों से बचाने पर बल दिया और पूरे राज्य में नशा मुक्त हरियाणा जागरूकता अभियान चलाए जाने के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

हरियाणा के स्कूलों में शिक्षकों की कमी बन रही बच्चों की शिक्षा में संकट

Chandigarh/Alive News

हरियाणा सरकार द्वारा बीना प्लानिंग के चलाई गई शिक्षक ट्रांसफर ड्राइव फेल साबित हो रही है। हरियाणा में ट्रांसफर ड्राइव के कारण लगभग 491 सरकारी स्कूल के विद्यार्थी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। ज्यादातर सरकारी स्कूलों में हिंदी, गणित, फिजिक्स, केमिस्ट्री आदि विषयों के अध्यापकों की काफी कमी है तो कहीं सर प्लस लागू है। बता दें, कि शिक्षा विभाग ने अपनी इस नाकामी को छुपाने के लिए डेपुटेशन की पावर जिले के जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी है, ताकि स्कूलों में शिक्षकों की कमी को जिला अधिकारी अपने स्तर पर पूरा कर सके। जिसके लिए डीईओ ने जिला खंड शिक्षा अधिकारियों की मीटिंग बुलाई और उनसे अपने जिले के लगभग सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की स्थिति की रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। वही बीईओ ने क्लस्टर हेड की मीटिंग लेकर सभी सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की स्थिति का पता लगाने के लिए कार्य शुरू कर दिया है।

लापरवाही : मंत्री के आदेश के बाद भी स्कूलों में विद्यार्थियों को नही मिल रही ड्यूल डेस्क की सुविधा

Chandigarh/Alive News

शिक्षा मंत्री के घोषणा के बाद भी राजकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को अब तक ड्यूल डेस्क की सुविधा नहीं मिल पाई है। डेस्क की कमी लगभग स्कूलों में बनी हुई है। अधिकारियों ने ये सत्र स्कूलों से डिमांड मांगने में ही लगा दिया है। अब फिर से सभी बीईओ ने अपने अधीनस्थ स्कूलों में प्रोफॉर्मा भेजा है। जिस पर स्कूल मुखिया ड्यूल डेस्क की मांग करेंगे। राजकीय स्कूलों में पहली से 12वीं तक की कक्षाओं को अलग-अलग विभाजित किया गया। इसके अनुसार ही स्कूलों से डिमांड जिला शिक्षा विभाग को भेजी जानी है। प्रोफॉर्मा के अनुसार कक्षा 9 से 12वीं तक के लिए ड्यूटी डेस्क को लेकर बजट की मांग की गई है। इसी तरह कक्षा एक से आठवीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों की संख्या भी मांगी गई है। क्लस्टर भी इसी तरह बजट की डिमांड करेंगे। सरकार स्कूलों को बजट दे रही है। ड्यूल डेस्क बनवाने से पहले अभिभावकों को भी गुणवत्ता चेक करानी होगी। इस प्रकार के आदेश शिक्षा विभाग पहले जारी कर चुका है। वहीं, राजकीय स्कूल प्रिंसिपलों की शिकायत है कि यह डिमांड पहले भी स्कूलों से मांगी गई थी। अब फिर से मांगी जा रही है। विद्यार्थियों की संख्या के साथ बजट की डिमांड भी करनी है। इसका कारण है कि स्कूलों की ओर से ड्यूल डेस्क बनवाने से पूर्व लकड़ी क्वालिटी एसएमसी के साथ अभिभावक भी करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है, इससे पहले स्कूल अपने स्तर पर ही डेस्क तैयार कर रहे थे।

कुछ लोगों को हर रात सोने से पहले सोशल मीडिया पर सीएम बदलने का शौक–मनोहर लाल खट्टर

Chandigarh/Alive News

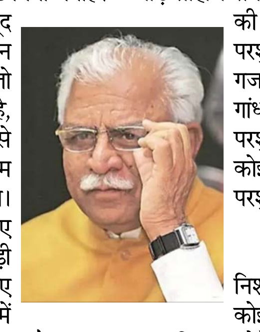

हरियाणा में करनाल में रविवार को भगवान परशुराम महाकुंभ राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शिरकत की। मंच पर मौजूद नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्राह्मण का अर्थ जो ब्रह्म को जानता है, जो भगवान से मिलाता है, वो है ब्राह्मण। ब्राह्मण समाज का दर्जा सबसे ऊपर और उसे हमेशा ऊपर रखने का काम समाज के लोगों ने किया है और करते रहेंगे। वहीं इस मंच से सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को गिनवाया और कई बड़ी घोषणाएं भी कीं। मंच से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में फव्वारा चौक का नाम मति दास सती दास चौक रखा जाएगा। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में आचार्य चाणक्य के नाम से चेयर स्थापित की जाएगी। पुजारी और पुरोहित कल्याण बोर्ड बनाया जाएगा और पुजारी और पुरोहित का कुशलता के आधार पर वेतन भी फिक्स किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एमएस और एमडी की सीटों के लिए स्वीकृत के लिए केंद्र सरकार को भेज दी है। कैथल में बनने वाले मेडिकल कालेज का नाम भगवान परशुराम के नाम से ही रखा जाएगा। वहीं उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती पर हॉलिडे भी रखा जाएगा। पहरावर की जमीन गौड़ ब्राह्मण समाज को मिलेगी। भगवान परशुराम के चित्र की डाक टिकट भी जारी की जाएगी। परशुराम सेवा सदन के नाम से 2000 हजार गज का प्लॉट दिया जाएगा। परशुराम चौक से गांधी चौक तक के मार्ग का नाम भगवान परशुराम मार्ग रखा जाएगा। शहर के अंदर कोई बड़ा पार्क मिलेगा तो उसमे भगवान परशुराम की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

विपक्ष पर साधा निशाना

इस दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नही है। हर छोटी बात में से कुछ न कुछ निकाल लेते है। वहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ लोग हर रोज रात को मुख्यमंत्री को बदलकर सोते है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। इस सोशल मीडिया से कुछ नही होने वाला। मुख्यमंत्री ने साथ ही अपनी विपक्षियों को कहा कि जब इससे थक जाओ तो बता देना मै तुम्हें और काम बता दूंगा।

सेक्टर 21 एसटीपी प्लांट का पानी टरसरी प्रक्रिया से किया जाएगा साफ, जनवरी माह में शुरू होगा प्रोजेक्ट

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम ने सेक्टर 21 स्थित एसटीपी प्लांट का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा और एसटीपी प्लांट के निरीक्षण के दौरान सीवर के पानी को साफ करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। यह प्रोजेक्ट लेटेस्ट तकनीक यानि टरसरी प्रक्रिया से होते हुए क्लीन किया जाएगा। जिसमें तीन चरण से यह प्रक्रिया चलेगी और पानी पूरी तरह पीने योग्य हो जायेगा। उन्होंने बताया कि सेक्टर 21 ए में अमृत का टैंक बनाया गया है, जिसमें पूरे सेक्टर 21 का सीवर का पानी एकत्रित किया जाता है। यहां से पानी को ट्रीट किया जाता है, जिस प्रक्रिया को तीन चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में टैंक में 5 एमएलडी यानी 5 हजार मिलीलीटर पानी प्रतिदिन स्वच्छ किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में 5 एमएलडी पानी दूसरे टैंक में जाएगा और स्वच्छ किया जाएगा। फिर तीसरे और अंतिम चरण में 10 एमएलडी पानी यानि 10 हजार मिलीलीटर पानी तीसरे टैंक में जाएगा जो बिल्कुल स्वच्छ जल होगा और पानी पूरी तरह पीने योग्य होगा। उन्होंने कहा कि एसटीपी प्लांट से लेकर बड़खल झील की दूरी 4.5 कि.मी. है, जिसमें पाईप लाईन डाल दी गई है। अभी प्रोजेक्ट का केवल ट्रायल किया जा रहा है, इसका विधिवत रूप से उद्घाटन मुख्यमत्रीं मनोहर लाल खट्टर करेंगे। यह प्रोजेक्ट जनवरी में शुरू कर दिया जाएगा और बडख़ल झील में पानी डाला जाएगा। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं, लेकिन बड़खल झील में पानी डालने से पहले बांध की व्यव्स्था की जानी है, जिसका कार्य तेज गति से चल रहा है।

गवर्नमेंट सराय ख्वाजा स्कूल के विद्यार्थियों ने जीते नौ पुरस्कार

Faridabad/Alive News

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद के विद्यार्थियों ने डिस्ट्रिक्ट लेवल लीगल लिटरेसी कंपटीशन में प्रशंसनीय प्रदर्शन कर नौ प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए।

विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा के निर्देशानुसार विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रथम चरण में सभी दस प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। द्वितीय चरण में जिला स्तरीय विधिक सेवा प्रतियोगिता में विद्यालय के अठारह विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की और सभी विद्यार्थी पुरस्कार प्राप्त कर लौटे।

इसमें डिबेट, पावर प्लांट प्रेजेंटेशन, डॉक्यूमेंट्री फिल्म, क्विज, पोस्टर मेकिंग, स्किट, भाषण, कविता गायन, भाषण, पेटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का जिला स्तर पर दोनों खंडों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। सराय ख्वाजा फरीदाबाद के विद्यालय ने नौ प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किए।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा बताया कि त्र्यंबकेश्वर राय ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकिंग में प्रथम, रानी ने डिबेट में प्रथम, क्विज प्रतियोगिता में डिंपल, मंदरिश और बजरंगी प्रथम, आन द स्पॉट पेटिंग में नेहा प्रथम, निबंध लेखन में सोनी शर्मा द्वितीय, कविता गायन में काजल द्वितीय, स्किट में सूरज एवम टीम के आठों सदस्यों, स्लोगन लेखन में मोनिका तृतीय, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में अर्चना और स्लोगन लेखन में मोनिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य मनचंदा, स्टाफ के सभी अध्यापकों और अन्य सदस्यों ने छात्रा , रानी कुमारी, मोनिका, दिव्या यादव, नेहा, अर्चना, छात्र त्रंबकेश्वर, जीत, अभय, प्रियांशु, अक्षय, सूरज पुरी, बजरंगी और डिंपल सहित सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने प्राध्यापिका प्रज्ञा, सुरेंद्र और रविंद्र तथा विद्यार्थियों दिव्या यादव, त्र्यंबकेश्वर राय तथा सभी का सहयोग देने और विद्यालय के लिए सम्मान प्राप्त करने के लिए अभिनंदन करते हुए धन्यवाद किया।

उपायुक्त ने सरल केंद्र का किया औचक निरीक्षण

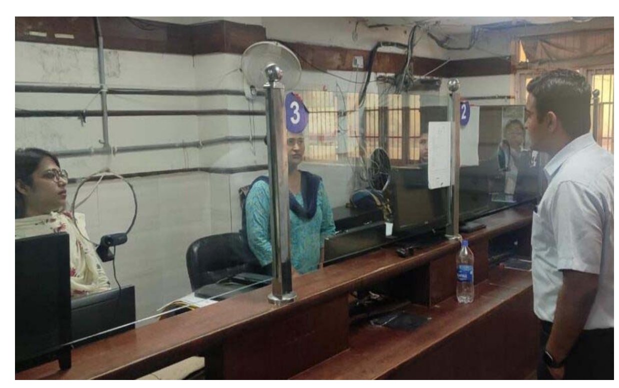

Faridabad/Alive News

लघु सचिवालय परिसर में स्थित सरल केंद्र के माध्यम से नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का फीडबैक लेने के लिए सरल केंद्र का औचक निरीक्षण किया जाएगा। सरल केंद्र स्थित टोकन काउंटर, रिकार्ड रूम, विभिन्न सेवाओं से जुड़ी विंडो आदि का निरीक्षण किया।

डीसी विक्रम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरल केंद्र के माध्यम से नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने वहां पर बनाए जा रहे लाइसेंस, वाहनों के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट इत्यादि की प्रक्रिया को देखा। इस दौरान उन्होंने वहां तैनात कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरल केंद्र में विभिन्न कार्यों के लिए आने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

फरीदाबाद गुड गवर्नेंस, शिक्षा और स्वच्छता की ऑनलाइन प्रणाली में रहा प्रथम

Faridabad/Alive News

गवर्नेंस, शिक्षित हरियाणा और बनेगा स्वच्छ फरीदाबाद की ऑनलाइन सिस्टम प्रणाली में फरीदाबाद प्रदेश में नम्बर वन पर आया है। प्रदेश में गुड गवर्नेंस में तीन बैच एक साथ सबमिट किए गए हैं। इनमें ई-बीन का सारा डाटा इक्कठा करके रिसाइकिलिंग कर राजस्व भी जैनरेट किया जाएगा। इसके लिए 9वीं से 12वी कक्षाओं के विद्यार्थियों को वर्कशॉप करके ट्रेनिंग दी जाएगी। इसी कड़ी में गौरव ऐप वाईएमसीए और जिला प्रशासन प्राइवेट पार्टनर शीप (पीपीपी) पर कार्य करेंगे।

शिक्षित हरियाणा परियोजना जिला फरीदाबाद में 2014 शुरू की गयी थी। जिसके परिणाम स्वरूप फरीदाबाद जिला में दसवीं कक्षा का परिणाम 37 से 60 प्रतिशत पहुंच गया। कोविड के दौरान डेढ लाख विद्यार्थियों को ऑनलाइन जोड़कर शिक्षा दी गई थी। इसी कड़ी में कोविड के बाद स्मार्ट क्लासेस के जरिये विद्यार्थियों को टेबलेट के माध्यम से शिक्षित हरियाणा एजुकेशन कान्टेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को फ्री में यूट्यूब और पोर्टल पर लैक्चर दिए जा रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली प्लेट फार्म की गाइड लाइन अनुसार तकनीकी रूप से प्ले स्कूलों और सरकारी स्कूलों में पैरामीटर के अनुरूप बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है।

हरियाणा में डिप्टी कमिश्नर का एकाधिकार खत्म, मुख्य सचिव ने सभी जिलों में जारी किया निर्देश

Chandigarh/Alive News

हरियाणा में सरकार ने डिप्टी कमिश्नर का एकाधिकार खत्म कर दिया है। अब डीसी की अनुपस्थिति में एडीसी यानी अतिरिक्त उपायुक्त उनकी जगह प्रशासनिक कार्यों की देखरेख करेंगे। सरकार ने जिलों में प्रशासनिक कार्यों को सुचारू चलाने के लिए यह फैसला लिया है।

सरकार ने लिंक ऑफिसर नामित कर दिए हैं। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने इस आशय का लेटर सभी जिलों के लिए जारी कर दिया है। डिप्टी कमिश्नर का फर्स्ट लिंक अधिकारी एडिशनल कमिश्नर को बनाया गया है।

एडीसी का प्रथम लिंक अधिकारी जिला परिषद और डीआरडीए का चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर होगा। इसी प्रकार, जिला परिषद और डीआरडीए का चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर का प्रथम लिंक अधिकारी एडिशनल कमिश्नर होंगे। सिटी मजिस्ट्रेट का प्रथम लिंक अधिकारी एसडीएम (हेडक्वार्टर) होगा, जबकि एसडीएम (हेडक्वार्टर) का प्रथम लिंक अधिकारी सिटी मजिस्ट्रेट होगा।

हुडा के स्टेट ऑफिसर होंगे सेकेंड लिंक अधिकारी

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (हुडा) के स्टेट ऑफिसर सेकेंड लिंक अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के स्टेट ऑफिसर का प्रथम लिंक अधिकारी एसडीएम (हेडक्वार्टर) को बनाया गया है। इस बाबत सभी जिलों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मुख्य सचिव ने बताया कि डीसी, एडीसी, जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम, स्टेट ऑफिसर के अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे या चुनाव ड्यूटी के दौरान तथा स्थानांतरण, सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त या किसी अन्य कारण से 2 दिनों से अधिक के लिए बाहर रहने की स्थिति में संबंधित लिंक अधिकारियों द्वारा कार्य देखा जाएगा। प्रत्येक अधिकारी छुट्टी, प्रशिक्षण, दौरे, चुनाव ड्यूटी पर जाने से पूर्व लिंक अधिकारी को सूचित करेगा।

बायोटेक के बीच से गुजर रहे प्राकृतिक नाले को दोबारा से खोला जाएगाः उपायुक्त

Faridabad/Alive News

मंगलवार को उपायुक्त विक्रम सिंह ने स्मार्ट सिटी के सीईओ कृष्ण कुमार के साथ बड़खल स्थित बायोटैक ट्रांसलेशन हैल्थ साईस एंड टेक्नोलॉजी (टीएचएसटीआई) में बड़खल झील पर चल रहे विकास कार्यो की समीक्षा मीटिंग ली और अधिकारियो को विशेष दिशा निर्देश दिए। मीटिंग में उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि बड़खल झील फरीदाबाद शहर के लिए जीवनदायिनी है। उन्होंने कहा कि पिछले काफी समय से यह झील सुखी हुई है और अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस झील को दौबारा से सौंदर्यकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पहले अरावली की पहाड़ियों से बरसात के दौरान कुछ प्राकृतिक रास्तों से जरिए पानी बड़खल झील में पहुंचता था। अब यह जलस्त्रोत बंद पड़े हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी 14 से ज्यादा पुलिया हैं जो सड़क इत्यादि बनने की वजह से बंद पड़ी हैं। इसके लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द इन सभी पुलिया की सफाई करवाई जाए और खोला जाए। उन्होंने बायोटेक के अंदर से गुजर रहे नाले का निरीक्षण किया और बायोटैक इंस्टीट्यूट को ही इसकी सफाई व मरक्कमत करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक स्त्रोतों को दौबारा शुरू करने के लिए स्मार्टसिटी, पीडब्ल्यूडी व बायौटैक विभाग की एक संयुक्त कमेटी गठित की जाए और जो इस पूरे कार्य का निरीक्षण करेगी व अमलीजामा पहुंचाएंगे। इसके बाद उपायुक्त ने बडख़ल झील पर बन रहे घाटों का निरीक्षण भी किया।

इस अवसर पर एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, बायोटेक के एग्ज़िक्युटिव डायरेक्टर डा. प्रमोद गर्ग, हैड एडमिनिस्ट्रेशन एमवी सेंटो, इस्टेट आफिसर नरेंद्र शर्मा, पीडब्ल्यूडी की एक्सएन प्रदीप संघू सहित खनन व सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448